RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 156 , रविवार, 19 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

विशेष लोक अदालत में 81 चेक बाउंस मामलों का निपटारा, 18 लाख का वाद भी सुलझा 03

महिला उद्यमिता को मिला नया मंच, विमेन्स क्रिएशन्स क्लब का 22वां समर फेयर भव्य... 04

वास्तविक ताकत कभी दिखावे में नहीं होती :हुमा कुरैशी 07

संक्षिप्त समाचार

विवाह अवैध होने पर महिला को नहीं मिलेगा मेंटेनेंस का हक

● बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला महिला की याचिका की खारिज

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी महिला का विवाह अवैध है, तो उसे मेंटेनेंस मांगने का अधिकार नहीं मिलेगा। यह फैसला कोर्ट ने 15 हजार रुपये मेंटेनेंस की मांग से

जुड़ी एक महिला की याचिका को खारिज कर सुनाया है। हालांकि कोर्ट ने महिला के नाबालिग बच्चे के एक हजार रुपये के मेंटेनेंस को कायम रखा है। कोर्ट ने कहा कि रेकॉर्ड से स्पष्ट है कि महिला पहले से विवाहित थी। उसने इस तथ्य को छिपाया था। उसने तलाक लिए बिना दूसरी शादी की थी। लिहाजा निचली अदालत ने विवाह को अमान्य कर दिया था।

वक्फ बोर्ड पर रोक के खिलाफ एससी में केरल सरकार

● दाखिल की याचिका, सरकार बोली-अर्जेंट सुनें मीलार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की कांग्रेस सरकार ने केरल हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें राज्य वक्फ बोर्ड को कोई भी बड़ा फैसला लेने, कैपिटल खर्च करने या नीतिगत फैसले लेने से रोक दिया गया था। इस अपील को तत्काल सुनवाई के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली

तीन सदस्यीय बेंच के सामने रखा गया। सीजेआई ने मामले को सोमवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। अब इस मामले में सोमवार या मंगलवार को सुनवाई हो सकती है। केरल में कांग्रेस की अगुवाई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार है, जिसके मुख्यमंत्री वीडी सतीशन हैं। केरल के राज्य वक्फ बोर्ड के सीनियर एडवोकेट वी चितंबरेश ने इस मामले को शुक्रवार को सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के सामने रखा। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सुनवाई करेगी।

ललिता गौतम हत्याकांड के दोषी बचेंगे नहीं: योगी

● परिवार से मुलाकात की, 5 लाख की मदद, आवास देंगे

गाजियाबाद (एजेंसी)। सीएम योगी ने शनिवार को गाजियाबाद में ललिता गौतम के परिवार से मुलाकात की। योगी ने वीआईपी गेस्ट हाउस में करीब आधे घंटे तक ललिता के परिवार से बात की। कहा- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। उन्होंने परिवार को 5 लाख की आर्थिक मदद, पिता और चाचा को एक-एक

मुख्यमंत्री आवास देने का ऐलान किया। पुलिस अफसरों से अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली। इससे पहले, पूर्व आईपीएस और मंत्री असीम अरुण सुबह साढ़े 9 बजे ललिता गौतम के परिवार को मेरठ से लेकर गाजियाबाद पहुंचे। मेरठ में बीए की दलित छात्रा ललिता गौतम की हत्या हुई थी। शव 17 मई को गन्ने के खेत में मिला था। पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने 8 जुलाई को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया था। एसएसपी अविनाश पांडेय ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को थप्पड़ मारे। पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसके बाद मामला ने तूल पकड़ लिया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने निंदा की थी।

कश्मीर पर प्रोपेगैंडा फैलाने की तैयारी में पाकिस्तान

यूरोप में भेजेगा दूत, सिंधु जल संधि पर भी लगा रहा जोर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान एक बार कश्मीर मुद्दे पर प्रोपेगैंडा फैलाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल को ब्रिटेन और यूरोपीय देशों में भेजने की तैयारी कर रहा है, जो कश्मीर मुद्दे पर समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा। इसके तहत इन देशों के सांसदों, नीति-निर्माताओं, थिंक-टैंक और मीडिया संगठनों से बातचीत की जाएगी। हालांकि, इसे पाकिस्तान की पीओके में चल रहे विद्रोह से ध्यान भटकाने की हताश कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। इस्लामाबाद यह कदम ऐसे समय में उठाने जा रहा है, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर

यानी पीओके में उसे सबसे बड़े विरोध प्रदर्शन का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान इस मामले में बैकफुट पर है।

सिंधु जल समझौते पर बौखलाया पाकिस्तान

एक तरफ पाकिस्तान जहां कश्मीर पर ध्यान खींचने की कोशिश कर रहा है, दूसरी तरफ वह सिंधु जल संधि पर भारत की रोक से भी घबराया हुआ है। हाल के दिनों में इस्लामाबाद ने सिंधु जल समझौते को लेकर यूएन से लेकर कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गुहार लगा चुका है। हाल में पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि को लेकर इस्लामाबाद में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कराया था, जिसका उद्देश्य दुनिया का इस मुद्दे पर ध्यान खींचना था।

कश्मीर पर यूरोप में डेलीगेशन भेजेगा पाकिस्तान

नून ने बैठक के दौरान बताया कि संसदीय समिति ब्रिटेन और यूरोपीय संघ का दौरा करने की योजना बना रही है ताकि वहां के सांसदों, नीति-निर्माताओं, थिंक टैंक, मीडिया प्रतिनिधियों और पाकिस्तानी व कश्मीरी समुदाय के लोगों का बातचीत की जा सके। इतना ही नहीं, यह समिति आने वाले हफ्तों में इस्लामाबाद में कश्मीर पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने की भी योजना बना रही है। भारत के जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश करता रहा है, जिसे नई दिल्ली ने बार-बार खारिज किया है। भारत ने यह दोहराया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

पाकिस्तान सरकार को दी चेतावनी, कहा-हालात अच्छे नहीं

पीओके में भारी हिंसा पर भड़का संयुक्त राष्ट्र

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अशांति और आम लोगों के खिलाफ कार्रवाई ने संयुक्त राष्ट्र का ध्यान खींचा है। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार एजेंसी ने पीओके की स्थिति पर चिंता जताई है। एजेंसी ने इलाके में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों की मौत की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। 27 जुलाई को होने वाले चुनावों से पहले पीओके में तनाव बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को जिनेवा से जारी बयान में मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त वोल्कर टर्क ने शांति बनाए रखने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, जून से अब तक हिंसा और अशांति में दर्जनों लोग मारे गए हैं। मारे गए लोगों में ज्यादातर प्रदर्शनकारी हैं। कुछ सुरक्षाकर्मी भी मरने वालों में शामिल हैं। टर्क ने सभी मौतों की तुरंत और स्वतंत्र जांच की मांग की है।

जेएएसी को बैन करना चिंताजनक

टर्क ने पीओके में प्रदर्शनों की अगुवाई कर रही जॉइंट अवामी ऐक्शन कमेटी को बैन किए जाने पर चिंता जताई है। संगठन पर सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने के आरोप में पाकिस्तान के आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंध लगा है। इस समूह के कई नेता गिरफ्तार किए जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा है कि किसी नागरिक समाज संगठन को आपराधिक घोषित करना और लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगाना अच्छा संदेश नहीं देता है।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ शुभेंदु सरकार का ऐक्शन

● अमतला वाले ऑफिस पर चला बुलडोजर, सुरक्षा बल रहे तैनात

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से बड़ी खबर आई है। टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बंगाल सरकार का बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। शनिवार को अमतला में बुलडोजर का इस्तेमाल करके अभिषेक बनर्जी के ऑफिस को गिराने का काम शुरू हो गया है। पूरे इलाके को पुलिस और केंद्रीय बलों ने घेर लिया है। मौके पर दमकल की गाड़ियां भी मौजूद हैं। वहीं कार्रवाई शुरू होते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लग रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, जैसे ही अभिषेक बनर्जी के सांसद ऑफिस को तोड़ने का काम शुरू हुआ। इलाके में बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुशी मनाई और जय श्री राम के नारे लगाए। अमताला से बीजेपी विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि ऑफिस गैर-कानूनी तरीके से बनाया गया था। स्थानीय बीडीओ ने भी मौके का दौरा किया है। यह कार्रवाई शनिवार सुबह शुरू हुई।

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च

● पीएम मोदी का खास संदेश लेकर उड़ा विक्रम-1

450 किमी ऊपर कक्षा में पहुंचा, पीएम मोदी ने बधाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। विक्रम-1 को स्काईरूट ने ही तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की। सिर्फ लॉन्चपैड इसरो का था। इसे आंध्र प्रदेश में श्रीहरिकोटा में इसरो के सतीश धवन स्पेस सेंटर से दोपहर 12.05 बजे लॉन्च किया गया। पहले यह लॉन्चिंग 11.30 बजे होनी थी, लेकिन 5 मिनट पहले काउंटडाउन रोक दिया गया। कुछ देर बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। पीएम मोदी ने स्काईरूट के फाउंडर पवन कुमार चंदना को फोन करके बधाई दी है। कंपनी ने 2022 में विक्रम-एस सबऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च किया था।

- **विक्रम-1 में पीएम मोदी का वंदे मातरम-** विक्रम-1 को हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस ने विकसित किया है। मिशन आगमन को 450 किलोमीटर की लो अर्थ ऑर्बिट में 350 किलो तक के पेलोड को स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। स्काईरूट एयरोस्पेस के मुताबिक इस पेलोड में वह खास पोस्टकार्ड भी शामिल है, जो पीएम मोदी ने मिशन की सफलता के कामना के साथ भेजा है। शनिवार को विक्रम-1 लॉन्च होने से पहले स्काईरूट एयरोस्पेस ने पीएम मोदी के हाथ से लिखे संदेश वाला एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, विक्रम-1 टेस्ट पेलोड में एक बहुत ही विशेष चीज है।

पहले पवार की एनसीपी का विलय फिर एनडीए में एंट्री

● महाराष्ट्र के लिए बीजेपी का प्लान तैयार, जल्द होगा खेला

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में इन दिनों राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि शरद पवार की पार्टी एनसीपी एनडीए में शामिल हो सकती है। इन सब के बीच खबर आ रही है कि इसके लिए बीजेपी ने बड़ा प्लान बनाया है। सूत्रों ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेताओं का हवाला देते हुए कहा कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार गुट का नेशनल

डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) के साथ आधिकारिक तौर पर जुड़ने के लिए एनसीपी के दो विरोधी गुटों का फिर से एक होना जरूरी होगा। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी का मानना है कि एनसीपी को एनडीए के साथ करीबी रिश्ते बनाने पर तभी विचार किया जाएगा जब दोनों गुट अपने मतभेद सुलझा लेंगे और एक हो जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि शरद पवार या उनके खास साथियों को अकेले गठबंधन में लाने की कोई खास इच्छा नहीं है। उधर, महाराष्ट्र में बीजेपी और एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना के साथ मिलकर सरकार चलाने वाली एनसीपी भी अपनी उम्मीदों को लेकर मुखर है। शुक्रवार को पार्टी ने कहा कि उसके कार्यकर्ता चाहते हैं कि अप्रैल में शपथ लेने वाले राज्यसभा सदस्य पार्थ पवार को भविष्य में होने वाले किसी भी कैबिनेट विस्तार के दौरान केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किया जाए।

परिसीमन बिल के लिए साथ आना जरूरी

यह नई अटकलें एनडीए सरकार की उस योजना के साथ सामने आई हैं, जिसके तहत सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया जाना है। इस विधेयक का मकसद लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना और नए सिरे से परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करना है। एनसीपी (एसपी) के पास लोकसभा में आठ और राज्यसभा में एक सीट है।

200 वर्षों में 68 फीसदी सिमट गई दिल्ली की यमुना

● बैराज-शहरीकरण बने मुख्य वजह, रिसर्च में बड़ा खुलासा ● पिछली एक सदी में 33 फीसदी फ्लडप्लेन नदी से कट गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से होकर बहने वाली यमुना नदी पिछले 200 सालों में अपने मूल स्वरूप का बड़ा हिस्सा खो चुकी है। दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल के शोधकर्ताओं द्वारा की गई रिसर्च में पता चला है कि यमुना की औसत चौड़ाई लगभग 68 प्रतिशत घट गई है, जबकि इसके डिस्चार्ज में 89 प्रतिशत की कमी आई है। शोधकर्ताओं का तर्क है कि कई बांधों, तटबंधों और नहरों के निर्माण के संचयी प्रभाव के कारण यमुना नदी का आकार इतना बढ़ गया है। जर्नल ऑफ जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया में प्रकाशित इस रिसर्च में दिल्ली के 50 किलोमीटर लंबे यमुना क्षेत्र में पिछले दो शताब्दियों के बदलावों का विश्लेषण किया गया।

- **658 मीटर से घटकर 210 मीटर रह गई चौड़ाई-** रिसर्च के अनुसार, साल 1799 में यमुना की औसत चौड़ाई लगभग 658 मीटर थी, जो अब घटकर करीब 210 मीटर रह गई है। इसी दौरान में नदी का अनुमानित जल प्रवाह करीब 30,000 घन मीटर प्रति सेकंड से घटकर लगभग 3,900 घन मीटर प्रति सेकंड रह गया। रिसर्च ने पिछले 200 सालों में यमुना में आए इस बदलाव का मुख्य कारण बैराज, नहरें और शहरीकरण को बताया। जिसमें ताजेवाला, ओखला, वजीराबाद, आईटीओ और हथिनीकुंड बैराज, नहरों के निर्माण, तटबंधों और तेजी से बढ़ते शहरीकरण मुख्य कारण हैं।

पत्नी ने स्कूल मालिक पति को सांप से डसवाकर मारा

● आधी रात बिस्तर पर सांप को छोड़ा, लव-मैरिज की थी ● महिला का मेरठ में शादीशुदा वैन ड्राइवर से अफेयर था

मरठ (एजसा)। मरठ म स्कूल संचालक पति को पत्नी ने सांप से डसवाकर मरवा दिया। उसने शादीशुदा वैन ड्राइवर प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दामिनी ने पहले पति अतुल कुमार (32) को दूध में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दी। फिर रात 2 बजे प्रेमी और सपेरों को बुलाकर बिस्तर पर करैत सांप छोड़ दिया। यह देश के 4 सबसे जहरीले सांपों में आता है। वारदात के बाद दामिनी ने प्रेमी तुषार पायला को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। दामिनी शुक्रवार सुबह 6 बज

कमरे में पहुंची और चीखने लगी। उसने परिजनों से कहा कि अतुल को सांप ने काट लिया है। कमरे में सांप मौजूद था और अतुल के पैर पर डसने के निशान भी थे। इसे देखकर परिजनों को लगा कि उनकी मौत सांप के डसने से हुई है। मामला तब पलटा, जब पूछताछ में पत्नी दामिनी (30) ने बताया कि उसे गर्मी लग रही थी, इसलिए वह बेटे के साथ कमरे से बाहर सोने चली गई थी। उसके इस बयान पर परिजनों को शक हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी।

7 साल पहले लव मैरिज की, फिर परिवार से अलग रहने लगे

अतुल कुमार जिला मुख्यालय से 30 किमी भंडोरा गांव के रहने वाले थे। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। पिता अजब सिंह (72) खेती-किसानी करते हैं, जबकि मां संतोष देवी (69) गृहिणी हैं। बड़े भाई कुलदीप सेना से रिटायर हैं और पत्नी-बच्चों के साथ बहसूमा में रहते हैं। दूसरे भाई मनदीप ने चार साल पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वहीं, दामिनी ने डबल एमए और बीएड किया है। उसके पिता की मौत हो चुकी है। मां हस्तिनापुर में ही छोटे बेटे के साथ रहती हैं। 7 साल पहले अतुल ने परिवार के खिलाफ जाकर दामिनी से लव मैरिज की थी। पहले वह एक कंप्यूटर कंपनी में प्राइवेट नौकरी करते थे। चार साल पहले नौकरी छोड़कर उन्होंने कृष्ण किड्स प्ले स्कूल खोला, जिसे वह पत्नी के साथ मिलकर चलाते थे। स्कूल में नर्सरी से कक्षा 5 तक की पढ़ाई होती है और करीब 150 बच्चे पढ़ते हैं। अतुल के पिता अजब सिंह ने बताया कि दामिनी की परिवार से नहीं बनती थी। उसने कहा था कि किसी पुरोहित ने चार साल तक परिवार से अलग रहने की सलाह दी है। इसके बाद अतुल हस्तिनापुर में किराए के मकान में पत्नी दामिनी (30) और 6 साल के बेटे के साथ रहने लगे।

सांप से डसवाने से पहले कार से टक्कर भी मरवाई थी

पुलिस के मुताबिक, दो साल पहले तुषार ने अतुल के स्कूल में 10 हजार रुपए पर वैन ड्राइवर की नौकरी शुरू की। इसी दौरान उसकी दामिनी से नजदीकियां बढ़ गईं और दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। दोनों शादी करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने अतुल को रास्ते से हटाने और 20 लाख रुपए की बीमा राशि हासिल करने की साजिश रची। योजना थी कि हत्या के बाद तुषार अपनी पत्नी को तलाक देगा और दोनों नई जिंदगी शुरू करेंगे। जांच में पता चला कि दामिनी पिछले एक साल से पति की हत्या की साजिश रच रही थी। कुछ दिन पहले अतुल को एक अर्टिगा कार से टक्कर भी मारी गई थी, लेकिन दामिनी ने उस मामले में मुकदमा दर्ज कराने से मना कर दिया। पुलिस के अनुसार, वह लंबे समय से अतुल के खाने में नशीली गोलियां भी मिला रही थी। अतुल को इस बात का शक हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

अवैध बालू खनन पर खनन विभाग की कार्रवाई, बिदुपुर के दियारा क्षेत्र से जेसीबी, लोडर और कई ट्रैक्टर जब्त

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन के खिलाफ खनन विभाग ने शनिवार सुबह बड़ी कार्रवाई की। बरियारू माई मंदिर के पास दियारा इलाके से एक जेसीबी, एक लोडर और कई ट्रैक्टर जब्त किए गए। इन सभी वाहनों को बिदुपुर थाना लाया गया है। इस कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है। खनन विभाग को सूचना मिली थी कि दियारा क्षेत्र में बालू माफिया अवैध रूप से खनन कर रहे हैं। इस सूचना पर विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी की। शुरुआत में अवैध कारोबारियों ने विरोध का प्रयास किया, लेकिन टीम की सख्ती के कारण वे सफल नहीं हो सके। जब्त किए गए सभी वाहनों को थाना परिसर में खड़ा कर दिया गया है। यह इलाका लंबे समय से अवैध कारोबारियों का गढ़ रहा है। यहां पहले भी बड़े पैमाने पर बालू खनन की शिकायतें मिलती रही हैं। गंगा नदी किनारे दियारा क्षेत्र होने के कारण यहां अवैध देशी शराब का कारोबार भी सक्रिय है। प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र में पहले भी कई बार छापेमारी की जा चुकी है। जब्त वाहनों के संबंध में बिदुपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। खनन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और इसमें संलिप्त सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस जांच का डर दिखाकर सोने का कंगन ठगा, खुद को पुलिस बता महिला को बनाया शिकार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में पुलिस जांच का भय दिखाकर ठगी करने वाला गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। नगर थाना क्षेत्र के धोबियाटोला में बच्चे को स्कूल छोड़ने जा रही महिला को दो बाइक सवार बदमाशों ने बातों में उलझाकर सोने का कंगन ठग लिया। बदमाशों ने कंगन की जगह कागज के लिफाफे में चार कंकड़ रख दिए और फरार हो गए। एफआईआर दर्ज कर पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। पीड़िता बबीता कुमारी ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार सुबह करीब सात बजे अपने बच्चे को धोबियाटोला से अखाड़ाघाट स्थित एक निजी स्कूल छोड़ने जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। एक युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जबकि दूसरा बिना हेलमेट के था। दोनों युवकों ने खुद को पुलिस से जुड़ा बताते हुए कहा कि शहर में महिलाओं को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस जांच चल रही है और महिलाओं को गहने पहनकर बाहर नहीं निकलना चाहिए। इसी बहाने उन्होंने महिला से हाथ में पहना सोने का कंगन उतारने को कहा। महिला के कंगन उतारने के बाद बदमाशों ने उसे कागज के लिफाफे में रखने का नाटक किया। इस दौरान वे लगातार बातचीत कर ध्यान भटकाते रहे। मौका मिलते ही उन्होंने कंगन निकाल लिया और उसी लिफाफे में चार कंकड़ रखकर हाथ में थमा दिए। इसके बाद दोनों बाइक से तेजी से फरार हो गए। कुछ दूरी आगे बढ़ने पर जब महिला ने लिफाफा खोला तो उसमें कंगन की जगह कंकड़ मिले। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ। टना के तुरंत बाद महिला ने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाके में बदमाशों की तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। नगर थाना पुलिस ने पीड़िता के आवेदन पर दो अज्ञात उचक्कों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस आसपास के घरों और दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सड़क पर किसी भी अजनबी की बातों में न आएं। यदि कोई व्यक्ति पुलिस या किसी सरकारी अधिकारी का परिचय देकर गहने या अन्य कीमती सामान उतारने के लिए कहे तो उसकी बात पर भरोसा न करें और तुरंत नजदीकी थाना या डायल-112 पर सूचना दें। हाल के दिनों में इस तरह की ठगी की घटनाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए पुलिस ने लोगों को विशेष सतर्क रहने की सलाह दी है।

आठ माह की बच्ची की मौत, इलाज के दौरान गई जान, परिजन ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में आठ माह की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि सिर के घाव का इलाज कर रहे एक प्राइवेट डॉक्टर की लापरवाही के कारण बच्ची की जान चली गई। वहीं, संबंधित डॉक्टर ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि बच्ची की हालत पहले से गंभीर थी। समय पर बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई थी। फिलहाल मामले में पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है और न ही शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना मनियारी थाना क्षेत्र के सिलौत गजपत्ती गांव की है। मृत बच्ची की पहचान मोहम्मद इमरान की आठ माह की पुत्री आशियां खातून के रूप में हुई है। बच्ची के दादा मोहम्मद इलाही ने बताया कि उसके सिर पर काफी दिनों से घाव था, जो धीरे-धीरे बड़ा हो गया था। इलाज के लिए वे मनियारी स्थित एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचे, जहां शुक्रवार को घाव का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद डॉक्टर ने दवा और इंजेक्शन देकर बच्ची को घर भेज दिया। घर पहुंचने के कुछ ही देर बाद घाव की पट्टी पूरी तरह खून से भीग गई। इसके बाद दोबारा डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। वहां से केजरीवाल अस्पताल भेज दिया। वहां से भी एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया, लेकिन मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही रास्ते में बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के परिजनों का आरोप है कि एक झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज और लापरवाही के कारण उनकी बच्ची की जान गई। उनका कहना है कि समय रहते सही इलाज मिलता तो बच्ची को बचाया जा सकता था। हालांकि परिजनों ने अब तक इस मामले में न तो पुलिस में कोई लिखित शिकायत दी है और न ही शव का पोस्टमार्टम कराया है। आरोपों पर संबंधित चिकित्सक मधु कुंज कुमार ने कहा कि बच्ची जब उनके पास लाई गई थी, तब उसके सिर का घाव काफी गंभीर हो चुका था और उसमें मवाद भर गया था। उनके अनुसार परिजन पहले से स्वयं इलाज कर रहे थे, जिससे संक्रमण बढ़ गया था। ऑपरेशन के बाद भी घाव से पहले की तरह रक्तस्राव हो रहा था। स्थिति गंभीर देखते हुए उन्होंने बच्ची को तुरंत केजरीवाल अस्पताल रेफर किया था। उनके मुताबिक अत्यधिक रक्तस्राव के कारण बच्ची कमजोर हो गई थी। बातचीत के दौरान संबंधित चिकित्सक ने बताया कि उन्होंने ड्रेसर का प्रशिक्षण प्राप्त किया है, लेकिन मनियारी में मरीजों का इलाज करते हैं और दवाएं भी लिखते हैं। इस खुलासे के बाद क्षेत्र में बिना मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्रैक्टिस को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

मॉल मालिक पर कर्मचारी ने रेप का आरोप लगाया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के पारू थाना क्षेत्र की 19 साल की युवती ने एक मॉल के मालिक पर रेप का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि नौकरी के दौरान आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद घटना के बारे में किसी को बताने पर मेरे भाई की हत्या की धमकी भी दी। युवती के आवेदन के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने कहा कि पीएफ मॉल में काम करती हूं। तीन महीने से काम कर रही हूं। 10 जुलाई को दोपहर 3 बजे आरोपी राजन चौधरी ने फ्रीज से पानी लाने के लिए भेजा। देखा कि थोड़ी देर बाद आरोपी पीछे से आया और मुझे पकड़ लिया। उन्होंने मेरा हाथ बांध दिया, मुंह दबाकर रूम तक ले गए। इसके बाद मैं बेहोश हो गई। करीब 2 घंटे बाद जब मुझे होश आया तो मैंने देखा कि मेरे शरीर पर कपड़ा नहीं था। इसके बाद आरोपी ने कहा कि अगर घटना की जानकारी किसी को दी, तो तुम्हारे भाई की हत्या कर दी जाएगी। एफआईआर में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि उसने किसी को घटना की जानकारी दी या पुलिस में शिकायत की, तो उसके दोनों भाइयों को गोली मरवा देगा। धमकी और पिता की असहाय स्थिति के कारण वह काफी भयभीत हो गई और तत्काल किसी को घटना की जानकारी नहीं दे सकी। युवती ने बताया कि वारदात के बाद जब मैं घर गई तो मां ने मुझसे पूछा कि आप इतनी घबराई क्यों हो, मैं इतनी डरी थी कि कुछ बता नहीं पाई। दो दिन बाद यानी 12 जुलाई को मैंने किसी तरह मां को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद मां आरोपी के घर गई तो आरोपी मेरी मां से झगड़ा करने लगा। इसके बाद मेरी मां ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने जांच पड़ताल की है, मुझसे भी जानकारी ली है।

पटना में 14.67 करोड़ की ठगी करने वाला गिरोह पकड़ाया

एजेंसी, पटना

बिहार में साइबर अपराध के खिलाफ साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई ने बड़ी कार्रवाई की है। साइबर ठगी से जुटाए रकम को बैंक खातों के जरिए ठिकाने लगाने वाले संगठित गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में साइबर थाना, पटना की मदद से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कंकड़बाग निवासी गौतम गंभीर, रामकृष्णा नगर निवासी तनय सिंह, नालंदा के हिलसा निवासी सुमित राज और कंकड़बाग के रामलखन पथ निवासी विवान सिंह के रूप में हुई है। साइबर थाना, पटना में इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

'म्यूल' बैंक खाते खुलवाकर खातों में मंगाते थे पैसेः पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी विभिन्न बैंकों में फर्जी या 'म्यूल' बैंक खाते खुलवाकर साइबर ठगी की रकम को उन खातों में मंगाते थे। इसके बाद इस धनराशि को अलग-अलग माध्यमों से आगे भेजा जाता था। जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि ठगी की रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेशी संचालकों, विशेषकर चीन से जुड़े साइबर अपराधियों तक पहुंचाया जाता था।

छापेमारी में मिले मोबाइल, ATM कार्ड और बैंक दस्तावेजः पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 मोबाइल फोन, 6 बैंक पासबुक, 13 एटीएम कार्ड, 10 चेकबुक, 6 मोहर, 1 क्यूआर पेमेंट कोड और 8 सिम कार्ड बरामद किए हैं। इन दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच कर नेटवर्क के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

- म्यूल बैंक खाते खुलवाकर मंगाते थे पैसे, 4 गिरफ्तार मोबाइल-एटीएम कार्ड और बैंक दस्तावेज बरामद

14.67 करोड़ की साइबर ठगी से जुड़े खातेः जांच के दौरान खुलासा हुआ कि जब्त किए गए बैंक खातों से देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर ठगी के लगभग 14 करोड़ 67 लाख रुपये के लेन-देन से संबंधित शिकायतें जुड़ी हुई हैं। पुलिस को आशंका है कि यह गिरोह बड़े स्तर पर मनी लॉन्ड्रिंग के नेटवर्क का हिस्सा था।

बैंक अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे मेंः पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी कथित रूप से कुछ बैंक कर्मियों की मिलीभगत से कॉरपोरेट बैंक खाते खुलवाते थे और उन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम के लेन-देन के लिए करते थे। पुलिस इस पहलू की भी गहन जांच कर रही है।

लालू यादव की तबीयत बिगड़ी आज दिल्ली एम्स जाएंगे

एजेंसी, पटना

RJD सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बिगड़ी है। शुक्रवार को उन्हें इलाज के लिए पटना के IGIMS लाया गया। उनके साथ उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटी मीसा भारती और बड़े बेटे तेजप्रताप साथ में थे। लालू यादव ने आईजीआईएमएस में अपनी आंख का चेकअप कराया। उनकी आंखों की जांच HOD डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा ने की। इसके बाद उनका ईसीजी किया गया। उन्हें 2 घंटे के लिए ऑब्जर्वेशन में रखा गया।

मीसा भारती ने कहा कि फिलहाल वह ठीक है। लालू जी का दिल्ली एम्स में इलाज चल रहा है, इसलिए आज यानी शनिवार को दिल्ली जाएंगे। मीसा भारती ने कहा कि कौटिल्या नगर इलाके में गंदगी ज्यादा है, जिसकी वजह से उनकी तबीयत खराब हुई, लेकिन हम लोग इस बात को बोलेंगे तो लोगों को लगेगा कि हम लोग आवास के लिए रोना रो रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो चक्कर आने के बाद उन्हें इलाज के लिए यहां लाया गया है। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है। उनकी सेहत को लेकर अधिक जानकारी मेडिकल जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। बता दें कि लालू यादव पोस्ट ट्रांसप्लांट रूटीन मेडिकल चेकअप के लिए 2 महीने पहले सिंगापुर गए थे। दिल्ली की अदालत से विदेश यात्रा की अनुमति मिली थी। तेजस्वी यादव ने बताया था कि किडनी ट्रांसप्लांट के बाद डॉक्टरों ने उनको हर तीन महीने पर रूटीन चेकअप की सलाह दी थी, लेकिन पिछले करीब एक साल से नियमित जांच नहीं हो पाई थी। उनकी आंख का ऑपरेशन भी हुआ था और उन्हें आंखों से जुड़ी परेशानी बनी हुई थी।

- मीसा बोलीं- कौटिल्य नगर में गंदगी की वजह से बीमार पड़े

कूड़े से बनेगी 15 मेगावाट बिजली, 12 नगर निकायों से रोज पहुंचेगा 900 टन कचरा

एजेंसी, पटना

पटना और आसपास के 12 नगर निकायों का कूड़ा अब बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होगा। इसके लिए सोमवार को पटना नगर निगम और 12 नगर निकायों के बीच समझौता (MoU) हुआ है। इसके लिए 514 करोड़ रुपये की लागत से रामचक बैरिया में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित किया जाएगा, जिसमें कूड़े से प्रतिदिन 15 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। इस परियोजना में पटना नगर निगम नोडल एजेंसी की भूमिका निभाएगा, जबकि हैदराबाद की एक निजी कंपनी प्लांट का निर्माण और बिजली उत्पादन करेगी। बैठक के दौरान सभी नगर निकायों के प्रतिनिधियों को परियोजना की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

पटना के आसपास के 12 नगर निकायों से रोज करीब 900 मीट्रिक टन कूड़ा यहां लाने की व्यवस्था होगी। बिजली बनाने के लिए रोज कम से कम 1400 मीट्रिक टन कूड़े की जरूरत पड़ेगी। पटना में 600 मीट्रिक टन कूड़ा रोज निकलता है। बाकी कूड़ा 12 निकायों से एकत्र किया जाएगा। अभी नगर निकाय अपने क्षेत्र में ही कूड़े को डंप कर रहे हैं। MoU होने के बाद वहां के कूड़े को चकबैरिया लाया जाएगा।

- 514 करोड़ की परियोजना पर हुआ समझौता

रामचक बैरिया में कूड़े से रोज 15 मेगावाट बिजली बनेगी। साथ ही कंपोस्ट और खाद बनाने का प्लांट भी लगेगा। इस बिजली प्लांट का निर्माण 30 महीने में होगा। चकबैरिया में 86 एकड़ के डंप यार्ड में लीगेसी वेस्ट (पुराने कचरे के पहाड़) का निस्तारण तेजी से चल रहा है। 40 एकड़ जमीन खाली कर दी गई है, ताकि यहां पावर प्लांट लगाने का काम शुरू हो सके।

मानव तस्करी के खिलाफ पटना जंक्शन पर जागरूकता अभियान, 25 तक चलेगा अभियान

एजेंसी, पटना

मानव तस्करी के खिलाफ बिहार पुलिस की ओर से 18 जुलाई से 25 जुलाई तक अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक जगहों पर पोस्टर बैनर लगाकर लोगों के बीच मैसेज देने की कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में आज पटना जंक्शन पर AHTU प्रभारी राजेश तिवारी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई की टीम भी मौजूद रही।

जिला बाल संरक्षण इकाई के पास स्टाफ और संसाधनों की कमीः पटना जंक्शन पर जिला प्रशासन की ओर से रेस्क्यू और ह्यूमन ट्रैफिकिंग पर नकेल कसने के लिए 6 सदस्यीय टीम गठित की गई है। ये पटना जिला अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे स्टेशनों को कवर करते हैं। जिला बाल संरक्षण इकाई के मुताबिक, स्टाफ और संसाधनों की कमी की वजह से रेस्क्यू के बाद उन्हें शेल्टर होम्स तक पहुंचाने में बाधा आ रही है। अगर संसाधन और स्टाफ की संख्या बढ़ाई जाए तो इसे और बेहतर किया जा सकता है।

ह्यूमन ट्रैफिकिंग के खिलाफ जागरूकता अभियानः AHTU प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि हमारी कोशिश है कि ह्यूमन ट्रैफिकिंग पर नकेल कसा जाए। जो लोग इस तरीके के काम में लगे हैं, उन्हें भी पकड़ा जाए। इसीलिए हम लोग पटना जंक्शन और दूसरे रिहायशी जगहों पर जाकर जन जागरूकता के लिए पोस्टर बैनर लगा रहे हैं। संबंधित पदाधिकारियों से मिलकर इस अभियान के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने GRP थानेदार राजेश सिंहा और RPF थानेदार से मिलकर इस अभियान में सहयोग करने की अपील की।

- स्टाफ और संसाधनों की कमी रेस्क्यू में बाधा

पूर्व मुख्य पार्षद पर धोखाधड़ी का केस, सरकारी राशि के दुरुपयोग, दस्तावेजों में छेड़छाड़ का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के पालीगंज नगर पंचायत के तत्कालीन मुख्य पार्षद के खिलाफ धोखाधड़ी, सरकारी राशि के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई कार्यपालक पदाधिकारी भावना कुमारी के पत्र के आधार पर पालीगंज थाना में की गई है। कार्यपालक पदाधिकारी भावना कुमारी ने अपने पत्र में तत्कालीन मुख्य पार्षद बीरेन्द्र बैठा पर सरकारी राशि का दुरुपयोग करने और वित्तीय अनियमितताएं बरतने का आरोप लगाया है। साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की अनुशंसा की है।

उप मुख्य पार्षद की शिकायत से खुला मामलाः यह मामला नगर पंचायत कार्यालय के कार्यवाही पंजी में कथित छेड़छाड़ से जुड़ा है। सबसे पहले उप मुख्य पार्षद रजनी कुमारी की शिकायत से मामला सामने आया। रजनी कुमारी ने राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार में वाद संख्या -24/2025 के तहत शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने तत्कालीन मुख्य पार्षद पर कार्यवाही पंजी (प्रोसीडिंग रजिस्टर) के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। शिकायत के अनुसार, तत्कालीन मुख्य पार्षद ने अपने निजी लाभ के लिए कार्यवाही पंजी में दर्ज विकास कार्यों की सूची को व्हाइटनर लगाकर मिटा दिया था। यह आरोप सरकारी अभिलेखों के साथ छेड़छाड़ और वित्तीय अनियमितता की ओर संकेत करता है।

- कार्यपालक पदाधिकारी ने दर्ज कराया मामला

निर्वाचन आयोग ने पद से हटायाः राज्य निर्वाचन आयोग ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद आरोपी को मुख्य पार्षद के पद से मुक्त करने का आदेश दिया। आयोग के आदेश की कंडिका 'ख' में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मुख्य पार्षद द्वारा कार्यवाही पंजी में व्हाइटनर लगाकर बदलाव करना वित्तीय संसाधनों का दुरुपयोग और एक गंभीर वित्तीय अपराध है, जिसके लिए उन पर मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए।

पुलिस ने शुरू की जांचः आयोग के आदेश और कार्यपालक पदाधिकारी के पत्र के आधार पर पालीगंज थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है और दस्तावेजों की जांच के साथ अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्ष के आधार पर की जाएगी।

उमानाथ के प्रतिबंधित घाट खोलने की मांग

एजेंसी, पटना

सावन का महीना शुरू होने वाला है, और बाढ़ के उमानाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। गंगा नदी में हुए नाव हादसे के बाद उमानाथ के दो घाटों को प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे अब केवल एक घाट ही स्नान के लिए उपलब्ध है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सावन के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान और जलाभिषेक के लिए आते हैं। ऐसे में एक घाट पर इतनी बड़ी भीड़ को संभालना संभव नहीं होगा। इसलिए, वे प्रशासन से अन्य प्रतिबंधित घाटों को भी खोलने की मांग कर रहे हैं।

लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि प्रतिबंधित घाटों को खोलने के साथ-साथ बैरिकेडिंग और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराई जाए। उनकी मांग है कि पूरे सावन महीने के लिए एक एसडीआरएफ टीम और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। उमानाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य भी चल रहा है। अतिक्रमण हटाने के बाद मलबा जगह-जगह बिखरा पड़ा है, जिससे श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी हो सकती है।

उमानाथ के महंत निगमानंद भारती ने भी इस मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सावन में भारी भीड़ को देखते हुए एक घाट पर स्नान कराना मुश्किल होगा, इसलिए अन्य घाटों को खोला जाना चाहिए।

पटना में तीन जगह बनेगी प्री-फैब्रिकेटेड बाइक पार्किंग

एजेंसी, पटना

पटना में बेतरतीब तरीके से सड़कों पर लग रहे बाइक को अब व्यवस्थित किया जाएगा। लोगों को जल्द ही ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलने वाली है। पटना स्मार्ट सिटी द्वारा शहर के तीन सबसे बिजी इलाकों में आधुनिक प्री फैब्रिकेटेड टू व्हीलर पार्किंग की सौगात मिलेगी। इसे बनाने का काम आज से शुरू होने जा रहा है। इसके लिए तय जगहों की तकनीकी जांच और सॉइल टेस्टिंग का काम पूरा कर लिया गया है। जांच में जमीन को इस निर्माण के लिए पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है।

हर एक पार्किंग स्थल पर 96 बाइक खड़ी हो सकेगीः ये पार्किंग कदमकुआं वेंडिंग जोन के पास, पटना जंक्शन स्थित मल्टीमॉडल हब और मौर्यलोक कॉम्प्लेक्स में बनाई जाएगी। हर एक पार्किंग स्थल पर 96 बाइक खड़ी करने की क्षमता होगी। इससे वाहनों की सुरक्षा बढ़ेगी और सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव भी काफी कम होगा। इस परियोजना की कुल लागत 4.65 करोड़ रुपये है। पिछले महीने इस योजना का शिलान्यास सीएम सम्राट चौधरी ने किया था।

यह बिहार का पहला स्वचालित बाइक पार्किंग है, जो सटल डॉली सिस्टम से लैस होगा। इस पूरी परियोजना का जिम्मा दिल्ली की एक विशेष एजेंसी को सौंपा गया है। वहीं, निर्माण के लिए कंस्ट्रक्शन ड्राइंग एनआइटी की टीम ने तैयार की है, जिस पर अंतिम मुहर लग चुकी है। अब बिना किसी देरी के धरातल पर काम शुरू होने जा रहा है।

नेपाल में बारिश के बाद बिहार में बाढ़ का खतरा दरभंगा के 20 गांव डूबे, 6 गांव का संपर्क टूटा

एजेंसी, पटना

बिहार के कई जिलों में शनिवार को मौसम एक बार फिर बदल गया है। जमुई, कटिहार, सासाराम में तेज बारिश गई है। बगहा, पूर्णिया, अररिया, बक्सर, जहानाबाद, खगड़िया, सासाराम, शेखपुरा और बेतिया में भी बारिश हुई है। पटना, सीवान समेत कई जिलों में बादल छाए हैं। ठंडी हवा चल रही है। आसमान में बादल छाए हैं। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 5 जिलों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इधर, नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से कोसी नदी उफान पर है। कोसी बराज से पानी छोड़ने के बाद दरभंगा में 20 से ज्यादा गांव डूब चुके हैं। 6 गांव टापू बन चुके हैं। इन गांवों में नाव चल रही है। सड़क से संपर्क टूट गया है। गांवों का सड़क से संपर्क टूटने से हजारों लोग घरों में फंसे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, बाजार जाने, मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। इसके लिए नाव संचालक प्रति व्यक्ति 40 रुपए किराया वसूल रहे हैं।

- बगहा समेत 10 जिलों में बारिश

क्यों हो रही इतनी उमसः मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय बिहार में निचले स्तर पर पर्याप्त नमी मौजूद है, लेकिन बारिश कराने वाली मजबूत मौसमी प्रणालियां सक्रिय नहीं हैं। आसमान में बादल बन रहे, लेकिन वे अधिकांश स्थानों पर बारिश नहीं करवा पा रहे हैं। बादलों के कारण धूप पूरी तरह नहीं निकल रही, जबकि हवा की रफ्तार भी कम है। इससे वातावरण में नमी लगातार बनी हुई है। पसीना जल्दी सूख नहीं पाता। यही वजह है कि लोगों को सामान्य गर्मी की तुलना में अधिक उमस महसूस हो रही है।

20 जुलाई से बदल सकता है मौसमः मौसम विभाग का अनुमान है कि 20 जुलाई से बिहार में मानसून फिर सक्रिय हो सकता है। इसके बाद राज्य के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर अच्छी बारिश होने की संभावना है। बारिश की गतिविधियां बढ़ने से तापमान में गिरावट आएगी और उमस से लोगों को राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री के शिवहर दौरे को लेकर प्रशासन हाई अलर्ट, डीएम-एसपी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

बीएनएम@ शिवहर। बिहार के मुख्यमंत्री के 19 जुलाई 2026 को प्रस्तावित शिवहर दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। कार्यक्रम के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास की सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था संधारण, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, वीआईपी सुरक्षा, पार्किंग व्यवस्था तथा प्रवेश एवं निकास मार्गों के सुचारु संचालन सहित सभी महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों को उनके दायित्व स्पष्ट करते हुए समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी एवं कर्मी पूर्व निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार अपने-अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कार्यक्रम के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यातायात, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष निगरानी रखी जाए। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री का दौरा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

750 वर्ष पुराने ऐतिहासिक घोड़दौड़ पोखर का विकास कार्य अधूरा, मानसून से पहले नहीं पूरा होने पर बढ़ी ग्रामीणों की चिंता

बीएनएम@ पताही। प्रखंड क्षेत्र के पदुमकेर पंचायत स्थित करीब 750 वर्ष पुराने ऐतिहासिक घोड़दौड़ पोखर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य अब तक अधूरा पड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी 24 दिसंबर की प्रगति यात्रा के दौरान इस ऐतिहासिक पोखर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद निर्माण कार्य शुरू तो हुआ, लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद इसे पूरा नहीं किया जा सका है। मानसून की शुरुआत से पहले निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। वर्तमान में पोखर का बीच का हिस्सा पानी, जलकुंभी और जलीय घास से पूरी तरह ढक गया है, जबकि किनारों पर चल रहे विकास कार्य भी अधूरे पड़े हैं। ऐसे में लगातार हो रही बारिश से अधूरे निर्माण कार्य को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि योजना समय पर पूरी हो जाती तो यह ऐतिहासिक पोखर पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बना सकता था। इससे न केवल क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ती, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिलते और आसपास के क्षेत्रों के आर्थिक विकास को भी गति मिलती। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मानसून के कारण होने वाली संभावित क्षति को देखते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और इसे जल्द से जल्द पूरा कराया जाए, ताकि मुख्यमंत्री की घोषणा का उद्देश्य धरातल पर उतर सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद इस ऐतिहासिक धरोहर को लेकर लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ गई थीं, लेकिन कार्य अधूरा रहने से विकास की रफ्तार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अब ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि आखिर कब यह ऐतिहासिक घोड़दौड़ पोखर पूरी तरह विकसित होकर पर्यटन स्थल के रूप में अपनी नई पहचान बना पाएगा।

बरसात से पहले प्रशासन अलर्ट: डोरवा तटबंध का एसडीओ ने किया निरीक्षण, तत्काल मरम्मत के निर्देश

बीएनएम@ रामगढ़वा। संभावित बाढ़ और कटाव से बचाव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को रक्सौल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) ने रामगढ़वा के बीडीओ, सीओ, कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा के कनीय अभियंता तथा पंचायत समिति सदस्यों के साथ अहिरौलिया पंचायत के डैनिया टोला स्थित डोरवा नदी के क्षतिग्रस्त तटबंध का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तटबंध के कई हिस्सों में कटाव और कमजोर स्थान पाए गए। स्थानीय ग्रामीणों ने बरसात के दौरान तटबंध टूटने की आशंका जताते हुए शीघ्र मरम्मत की मांग की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ ने नाराजगी व्यक्त की और कार्यक्रम पदाधिकारी तथा मनरेगा के कनीय अभियंता को तत्काल मरम्मत कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया। एसडीओ ने स्पष्ट कहा कि बाढ़ सुरक्षा कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले मरम्मत कार्य हर हाल में पूरा कर इसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। साथ ही मरम्मत के बाद तटबंध की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र के लोगों की जान-माल की सुरक्षा बनी रहे।

विशेष लोक अदालत में 81 चेक बाउंस मामलों का निपटारा, 18 लाख का वाद भी सुलझा

मानवीय पहल की मिसाल, दो मामलों में वादकारियों ने आर्थिक स्थिति देखते हुए चेक की राशि की माफ

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में शनिवार को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट (चेक बाउंस) से संबंधित मामलों के निष्पादन के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिले में कुल पांच बेंचों का गठन किया गया, जिनमें तीन मोतिहारी, एक ढाका और एक अरेराज में संचालित हुईं। सभी बेंचों में कुल 81 मामलों का आपसी सहमति और सुलह-समझौते के आधार पर सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। मोतिहारी की तीन बेंचों की अध्यक्षता एसीजेएम-5 शैला शुक्ला, न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी रिंकू तथा एसडीजेएम, रक्सौल कंचन प्रभा ने की। वहीं अरेराज बेंच में उपेंद्र साह और ढाका बेंच में विवेक कुमार मिश्रा पीठासीन पदाधिकारी रहे। बेंच संख्या-1 में 24, बेंच-2 में 41, बेंच-3 में छह, बेंच-4 में सात तथा बेंच-5 में तीन मामलों का निष्पादन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभिषेक कुमार दास तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने सभी बेंचों का निरीक्षण कर वादकारियों और अधिवक्ताओं को अधिक से अधिक मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से लोगों को त्वरित, सुलभ और कम खर्च में न्याय मिल रहा है। विशेष लोक अदालत में मानवीय संवेदनशीलता की भी अनूठी मिसाल देखने को मिली। न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती कुमारी रिंकू की बेंच में दो मामलों में वादकारियों ने विपक्षी पक्ष की मृत्यु और उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए चेक की पूरी राशि माफ कर दी। इस पहल ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। आयोजन की एक बड़ी उपलब्धि एसीजेएम-12 अविनाश कुमार के न्यायालय से संबंधित करीब 18 लाख रुपये के चेक बाउंस मामले का सफल निष्पादन भी रहा। इसके अलावा 10 वर्ष से अधिक पुराने 10 से ज्यादा मामलों का भी निपटारा किया गया। विशेष लोक अदालत के सफल संचालन में गैर-न्यायिक सदस्य भीष्म कुमार, मुक्तिनाथ शर्मा, रविनंदन शर्मा, अभय कुमार और राजाराम सहित न्यायालय कर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने सभी न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए आमजन से लोक अदालत के माध्यम से अपने वादों का सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निष्पादन कराने की अपील की।

तटबंधों पर बढ़ी चौकसी, रात में भी होगी गश्ती

डीएम ने बाढ़ सुरक्षा सामग्री का पर्याप्त भंडारण रखने का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

संभावित बाढ़ को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शनिवार को जल निस्सरण प्रमंडल, मोतिहारी अंतर्गत ढाका प्रखंड के बलुआ गुआवारी स्थित लालबकेया दायां तटबंध का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों को तटबंधों की निगरानी और तेज करने तथा रात्रि गश्ती सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान जल निस्सरण प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता इं. इफ्तेखार इमाम ने बताया कि बाढ़ प्रबंधन को लेकर स्थानीय बालू, बालू से भरे बोरे सहित आवश्यक सुरक्षा सामग्री का पर्याप्त भंडारण किया गया है। साथ ही अभियंताओं एवं तटबंध कर्मियों द्वारा प्रतिदिन नियमित गश्ती की जा रही है। जिलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि नदी की स्थिति को देखते हुए तटबंधों की निगरानी और सघन की जाए तथा रात में भी नियमित पेट्रोलिंग कराई जाए, ताकि किसी भी संभावित खतरे से समय रहते निपटा जा सके। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा से पताही प्रखंड के खोड़ीपाकड़ गांव तक करीब 20 किलोमीटर लंबा यह तटबंध पूरी तरह सुरक्षित है। बाढ़ से निपटने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षात्मक इंतजाम किए जा चुके हैं तथा आपात स्थिति के लिए भी पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने पूरे बाढ़ काल के दौरान आवश्यक मात्रा में बाढ़ सुरक्षा सामग्री का भंडारण बनाए रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा, सिकरहना के अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, बाढ़ प्रमंडल के अभियंता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में आगामी 28 व 29 जुलाई को होगा दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव, तैयारियां तेज

बीएनएम@ मोतिहारी

ब्रह्मलीन योगी राज श्री देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद की कार्यकारिणी की बैठक आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। उक्त बैठक में सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने पिछली बैठक की कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। वहीं कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने आय-व्यय का लेखा-जोखा सभा के समक्ष रखा। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 28 एवं 29 जुलाई को दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव का संयोजक श्रवण कुमार तथा सहसंयोजक चंद्रशेखर प्रसाद को बनाया गया।सह सचिव राम भजन ने बताया कि 28 जुलाई को राकेश कुमार की मंडली द्वारा 24 घंटे के श्रीराम नाम संकीर्तन का शुभारंभ होगा। वहीं 29 जुलाई को गुरु चरण पादुका पूजन, देवराहा बाबा सरकार की प्रतिमा का पुष्प श्रृंगार, गुरु दर्शन, गुरु कृपा प्राप्त भक्तों द्वारा गुरु चर्चा, हवन, आरती, गुरु दीक्षा एवं महाभंडारा का आयोजन किया जाएगा। बैठक में प्रत्येक माह आयोजित होने वाले एकादशी व्रत कार्यक्रम के लिए श्रीमती विनीता कुमारी को संयोजक तथा रंजन कुमार को सहसंयोजक मनोनीत किया गया। दोनों के नेतृत्व में वर्षभर कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। बैठक में डॉ. मीनू मिश्रा, रंजीत कुमार, दिलीप केसरी, अधिवक्ता कन्हैया कुमार, श्रवण कुमार, रंजन कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। यह जानकारी सह सचिव राम भजन द्वारा दी गई है।

बरसात से निपटने को नगर निगम अलर्ट, जलनिकासी-नाला सफाई और कूड़ा उठाव युद्धस्तर पर

बीएनएम@ मोतिहारी

बरसात के मौसम में जलजमाव की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर निगम मोतिहारी ने जलनिकासी, नाला सफाई और कूड़ा उठाव का अभियान तेज कर दिया है। महापौर प्रीति कुमारी ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि नगर आयुक्त आशीष कुमार के नेतृत्व में नगर निगम की पूरी टीम जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने में जुटी है। छतौनी, चांदमारी, बरियारपुर, मठिया जिरात, जमला रोड, बंजरिया और रघुनाथपुर समेत जलजमाव प्रभावित इलाकों में मोटर पंप और टैंकरों के जरिए लगातार पानी निकाला जा रहा है। साथ ही सफाई कर्मियों को नालों की नियमित सफाई और कूड़ा उठाव में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने बताया कि सर्वेक्षण के अनुसार नगर निगम के लगभग 10 वार्डों में बारिश के दौरान जलनिकासी की समस्या उत्पन्न होती है। इसके स्थायी समाधान के लिए मुख्य नालों के साथ-साथ गली-मोहल्लों में सड़क एवं नाला निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। स्वीकृत नई योजनाओं पर भी जल्द काम शुरू होगा, जिससे भविष्य में जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक नालों से अतिक्रमण हटाकर मुख्य और छोटे नालों को आपस में जोड़ने की योजना पर प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है, ताकि वर्षा जल की निर्बाध निकासी हो सके और ड्रेनेज व्यवस्था मजबूत बने।महापौर प्रीति कुमारी ने नगरवासियों से अपील की कि वे नालों और सड़कों पर कचरा न फेंकें तथा नगर निगम के स्वच्छता अभियान में सहयोग करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नागरिकों की सुविधा, स्वच्छता और जलजमाव मुक्त मोतिहारी के निर्माण के लिए नगर निगम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है तथा शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

हरसिद्धि में युवक की संदिग्ध मौत: पत्नी ने ससुर समेत 10 लोगों पर हत्या का लगाया आरोप

बीएनएम@ हरसिद्धि

» **एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंची पुलिस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर होगी आगे की कार्रवाई**

थाना क्षेत्र के जगापाकड़ वार्ड संख्या-7 में शनिवार को एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब मृतक की पत्नी ने थाने में लिखित आवेदन देकर अपने ससुर सहित 10 लोगों पर पति की हत्या करने का आरोप लगाया। मृतक की पत्नी गुलशन खातून ने हरसिद्धि थाना में दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि उसके ससुर मस्तकीम मियां समेत करीब 10 लोगों ने सुनियोजित साजिश के तहत उसके पति असलम अंसारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना को आत्महत्या का रूप देने और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से आरोपियों ने शव को दुपट्टे के सहारे घर के एक पाइप से लटका दिया। जानकारी के अनुसार, असलम अंसारी अपनी पत्नी के साथ गुजरात में सिलाई का कार्य करता था। दोनों 13 जुलाई को अपने पैतृक गांव लौटे थे। आरोप है कि 17 जुलाई को यह घटना हुई। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मृतक की पत्नी द्वारा लगाए गए आरोपों और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की जांच में जुटी है। मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार का तबादला, बेतिया में मिली नई जिम्मेदारी

पीपरा से हरसिद्धि तक कई थानों में निभाई अहम जिम्मेदारी, स्थानांतरण की खबर से क्षेत्र में चर्चा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के चर्चित एवं अनुभवी पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार का तबादला बेतिया जिले में कर दिया गया है। स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद उन्हें पश्चिम चंपारण (बेतिया) में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके तबादले की खबर सामने आते ही हरसिद्धि समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चर्चा का माहौल है। सुनील कुमार ने अपने सेवा काल के दौरान पीपरा, तुरकौलिया, छतौनी, कुंडवा चैनपुर और हरसिद्धि जैसे महत्वपूर्ण थानों में थानाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। विभिन्न थाना क्षेत्रों में उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, शराब तस्करी के विरुद्ध अभियान, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा जनसहभागिता आधारित पुलिसिंग को प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में कई मामलों का सफल उद्भेदन भी हुआ, जिससे पुलिस की कार्यशैली को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ा। हरसिद्धि थाना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने लंबित मामलों के निष्पादन, नियमित वाहन जांच, अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा आम लोगों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया। क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उनके प्रयासों की स्थानीय लोगों ने सराहना की। तबादले की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की। कई लोगों ने कहा कि सुनील कुमार एक सक्रिय, अनुशासित और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी रहे, जिनके कार्यकाल में पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। लोगों का मानना है कि उनके स्थानांतरण से जिले को एक अनुभवी पुलिस अधिकारी की कमी महसूस होगी। पुलिस विभाग में स्थानांतरण एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है। ऐसे में सुनील कुमार के स्थानांतरण के बाद अब हरसिद्धि थाना में नए थानाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर भी लोगों की नजरें टिकी हैं। स्थानीय लोगों एवं शुभचिंतकों ने सुनील कुमार को बेतिया में नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

फिल्म 'द आउटकास्ट बड' के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग हुई पुरी, सामाजिक समानता का संदेश देगी फिल्म

बीएनएम@ मोतिहारी

ओम शांति प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही हिंदी फीचर फिल्म 'द आउटकास्ट बड' के दूसरे चरण की शूटिंग 26 जून से 4 जुलाई तक सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार से स्वीकृत इस फिल्म का निर्माण एवं निर्देशन नीतीश राज और सुमित मौर्या कर रहे हैं, जबकि सह-निर्माता राजू कुमार और मदन कुमार हैं। फिल्म में मशहूर अभिनेता संजय पाण्डेय, सुशील सिंह, सतीश राज, रश्मि पाठक, श्रेया श्रीवास्तव, निशांत पल्लव सहित कई कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। निर्माता-निर्देशक नीतीश राज ने बताया कि फिल्म की कहानी सुमित मौर्या ने लिखी है, जो समाज के बहिष्कृत एवं शोषित वर्ग के संघर्ष, पीड़ा और सम्मान की लड़ाई को केंद्र में रखती है। फिल्म में पिता-पुत्री के स्नेह और सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए प्रेम, समानता एवं मानवीय संवेदनाओं की जीत को दर्शाया गया है। नीतीश राज ने बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की फिल्म-अनुकूल नीतियों से बिहार में फिल्म निर्माण का माहौल बेहतर हुआ है और अब निर्माण कंपनियों के लिए यहां काम करना पहले की तुलना में अधिक आसान हो गया है। सुमित मौर्या ने बताया कि फिल्म में एसोसिएट डायरेक्टर के रूप में निखिल श्याम और सौरभ सिंह, जबकि असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में साहिल सरोज कार्य कर रहे हैं। कैमरा टीम में निस्मल नौशाद, अपसील अजोश, संपूर्णानंद और दीप भेंसाला शामिल हैं। फोकस पुलर बिजेंद्र कुमार यादव, साउंड रिकॉर्डिस्ट रंजीत कुमार, आर्ट विभाग में आरुषि खेरवाल एवं प्रमोद तथा प्रोडक्शन टीम में जूही सुमन, आनंद शिवाय, रौनक, सिद्धार्थ, राजन सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं बीटीएस में राहुल और अभिषेक, हेयर आर्टिस्ट गुंजन, मेकअप आर्टिस्ट राजन तथा कॉस्ट्यूम डिजाइनर विवेक ने भी फिल्म को बेहतर बनाने में योगदान दिया है। फिल्म के पहले चरण की शूटिंग 25 मार्च से 9 अप्रैल तक हुई थी। फिल्म की शूटिंग पटना, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण के विभिन्न स्थानों पर की गई है। सुमित मौर्या ने पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, डीपीआरओ (आईपीआरडी) तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी के सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

संक्षिप्त समाचार

बांकीपुर उपचुनावः प्रशांत किशोर को मिला 'स्कूल का बस्ता' चुनाव चिन्ह

बीएनएम@ पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मतदान से पहले जन सुराज के लिए एक महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया पूरी हो गई है।

निर्वाचन आयोग ने पार्टी के संस्थापक एवं उम्मीदवार प्रशांत किशोर को 'स्कूल का बस्ता' चुनाव चिन्ह आवंटित किया है। पार्टी के अनुसार, मतपत्र पर यह चुनाव चिन्ह क्रम संख्या 9 पर रहेगा। इसके साथ ही जन सुराज ने भारतीय जनता पार्टी पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग से कार्रवाई की मांग की है। जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी को एक बार फिर 'स्कूल का बस्ता' चुनाव चिन्ह मिला है। उन्होंने कहा कि मतदाता मतदान के दौरान इसी चुनाव चिन्ह पर वोट देकर प्रशांत किशोर का समर्थन कर सकेंगे।प्रेस वार्ता के दौरान जन सुराज ने भारतीय जनता पार्टी पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का भी आरोप लगाया।

मासूम को बोरवेल से निकालने वाली टीम को डीएम ने किया सम्मानित

बीएनएम@ गयाजी। 17 जुलाई को फतेहपुर प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत कठौतिया केवाल के निवासी दिनेश मांझी के 03 वर्षीय पुत्र पीयूष कुमार देर रात्रि गहरे बोरवेल में गिरकर संकट ग्रस्त हो गया था। डीएम शशांक शुभंकर को जानकारी होते ही एडीएम (आपदा प्रबंधन) कुमार पंकज, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ तथा फतेहपुर के बीडीओ, सीओ, थानाध्यक्ष को मौके पर पहुंच कर यथाशीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।जिसके आलोक में पीयूष कुमारको लगभग 7 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद बोरवेल से जीवित तथा सकुशल बाहर निकाला गया। आज डीएम श्री शुभंकर द्वारा समाहरणालय सभाकक्ष में सहयोग कार्य में जुड़े एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही पीयूष कुमार तथा उनके माता पिता को इस कठिन घड़ी में संयम बनाए रखने तथा प्रशासन का सहयोग करने के लिए उपहार दिया गया। आज के कार्यक्रम में एडीएम (आपदा प्रबंधन) कुमार पंकज, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीडीओ फ़तेहपुर, सीओ फतेहपुर, थानाध्यन फतेहपुर, सम्बंधित पंचायत के जनप्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीएम को बताया कि उक्त खुले बोरवेल में शामिल दोषी अभियंता तथा ठीकेदार को चिन्हित करते हुए उनपर कार्रवाई की जाएगी।

पतरघट अस्पताल में इलाज में लापरवाही पर सवाल उठाने पर परिजनों से झड़प

बीएनएम@ सहरसाः बिहार के सहरसा जिले के पतरघट प्रखंड स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान कथित लापरवाही को लेकर मरीज के परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच हिंसक झड़प का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, एक मरीज को इलाज के लिए पतरघट सरकारी अस्पताल लाया गया था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में समय पर उचित उपचार नहीं मिल रहा था। इसी को लेकर जब उन्होंने डॉक्टरों और अस्पताल कर्मियों से सवाल किया, तो विवाद बढ़ गया। परिजनों का आरोप है कि विवाद के दौरान अस्पताल के डॉक्टरों और सुरक्षा कर्मियों ने मरीज के साथ आए लोगों के साथ मारपीट की। उनका कहना है कि बीच-बचाव करने पहुंचीं महिलाओं के साथ भी अभद्र व्यवहार किया गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और अन्य मरीजों व उनके परिजनों में भी दहशत का माहौल बन गया।घटना का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश देखा जा रहा है। वीडियो में अस्पताल परिसर में हंगामा और हाथापाई जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी तक वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं की गई है।

शिक्षक पर छात्र की पिटाई का आरोप, कार्रवाई की मांग को लेकर विद्यालय में तालाबंदी, प्रदर्शन

बीएनएम@ बेतियाः बैरिया (पश्चिम चंपारण), 18 जुलाई। बैरिया प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिरसिया मटिया में कार्यरत शिक्षक उमाकांत राम पर कक्षा छह के छात्र आलमगीर (पिता–इरशाद आलम) की पिटाई करने का आरोप लगा है। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को आवेदन देकर शिक्षक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है। आवेदन के अनुसार, 17 जुलाई को किसी बात को लेकर शिक्षक द्वारा छात्र की पिटाई की गई, जिससे वह घायल हो गया। छात्र का इलाज स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में कराया जा रहा है। घटना से नाराज अभिभावकों और ग्रामीणों ने 18 जुलाई को विद्यालय पहुंचकर प्रधानाध्यापक एवं संबंधित शिक्षक से जवाब-तलब किया और दोषी शिक्षक को निलंबित कर अन्य विद्यालय में स्थानांतरित करने की मांग की।विरोध के दौरान दर्जनों ग्रामीणों, अभिभावकों और छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर प्रदर्शन किया।

117 लीटर विदेशी शराब बरामद

बीएनएम@ बैरियाः श्रीनगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार के देर साम अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर कुल 117 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान कोईरपट्टी घाट के समीप से करीब 100 लीटर तथा कोईरपट्टी ठोकर के समीप से 17 लीटर विदेशी शराब जब्त की। हालांकि, शराब तस्कर पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार होने में सफल रहे। श्रीनगर थानाध्यक्ष अमित कुमार पाल ने बताया कि पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

महिला उद्यमिता को मिला नया मंच, विमेन्स क्रिएशन्स क्लब का 22वां समर फेयर भव्य रूप से संपन्न

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज

महिला सशक्तिकरण और लघु एवं घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विमेन्स क्रिएशन्स क्लब द्वारा आयोजित 22वां समर फेयर शनिवार को वीरगंज स्थित होटल सिद्धार्थ दियालो में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिला उद्यमियों द्वारा तैयार उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया। क्लब की अध्यक्ष रूपा अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरगंज स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत देबिसहाय मीना थे। इस अवसर पर समाजसेवी जसपाल सिंह, नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ मधेश प्रदेश के उपाध्यक्ष एवं उद्योगपति संजय अग्रवाल, वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के अध्यक्ष हरि गौतम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष माधव राजपाल, पर्सा के प्रमुख जिला अधिकारी भोला दाहाल, आंतरिक राजस्व कार्यालय वीरगंज के प्रमुख टीकाराज चौलागाईं, नेपाल–भारत मैत्री संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार सिंधी, वरिष्ठ उद्योगपति अशोक वैद्य, प्रभु अस्पताल की संचालिका डॉ. लक्ष्मी थापा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में क्लब की उपाध्यक्ष श्वेता गुप्ता, पूजा खत्री, मनीषा सचदेवा, नूतन सरावगी सहित क्लब के पदाधिकारी, सदस्य, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, उद्योगपति, व्यवसायी और बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे। प्रदर्शनी में नेपाल के विभिन्न जिलों तथा भारत से आए उद्यमियों ने हस्तशिल्प, डिजाइनर एवं रेडीमेड परिधान, गृह सज्जा सामग्री, सौंदर्य प्रसाधन, खाद्य उत्पाद, आभूषण और अन्य घरेलू उत्पादों के स्टॉल लगाए। प्रदर्शनी में खरीदारी के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने का भी प्रयास किया गया। मुख्य अतिथि देबिसहाय मीना ने कहा कि इस तरह के आयोजन महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत और नेपाल के बीच व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को भी नई मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में ऐसे मंचों की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। क्लब की सदस्य नूतन सरावगी ने बताया कि विमेन्स क्रिएशन्स क्लब पिछले 22 वर्षों से महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए इसी तरह के आयोजन करता रहेगा। आयोजकों के अनुसार समर फेयर ने महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के विपणन का बेहतर अवसर उपलब्ध कराया तथा भारत-नेपाल के व्यवसायियों के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कारोबारी के घर से जेवर समेत 7 लाख कैश ले उड़े चोर

» विरोध करने पर महिला को मारी गोली

बीएनएम@ गयाजी

शेरघाटी शहर में शनिवार तड़के हथियारबंद चोरों ने एक बड़ी चोरी को अंजाम दिया। बदमाशों ने लड्डू कारोबारी के घर की खिड़की काटेकर अंदर प्रवेश किया और करीब 7 लाख रुपये नकद के साथ अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। इस दौरान जब घर में रहने वाली किरायेदार महिला ने विरोध किया तो बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। गोली बाजू को छूते हुए निकल गई, जिससे महिला की जान बच गई। पीड़ित कारोबारी किशोर कुमार ने बताया कि उस समय तेज बारिश हो रही थी। इसी का फायदा उठाकर हथियारबंद बदमाश घर की खिड़की काटकर अंदर घुस गए और नकदी के साथ घर में रखे कीमती सामान समेटकर भागने लगे। इसी दौरान घर में किराए पर रहने वाली कविता देवी बाहर सूख रहे कपड़े लेने निकलीं। उनकी नजर खिड़की के पास मौजूद दो संदिग्ध लोगों पर पड़ी। उन्होंने शोर मचाते हुए बदमाशों को रोकने की कोशिश की। बदमाशों ने उन पर गोली चला दी। गोली उनके बाजू को छूते हुए निकल गई, जिससे वह बाल-बाल बच गईं। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए, जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।स्थानीय लोगों का कहना है कि नई बाजार, नूतन नगर और आसपास के इलाकों में पिछले एक महीने से चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

24 घंटे की मोहलत खत्म, कागजात नहीं देने वाले 24 निजी अस्पतालों पर सीलिंग की तैयारी

पीएचसी प्रभारी की चेतावनीः नियम तोड़ने वालों पर होगी एफआईआर, स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की अनदेखी करने वाले निजी चिकित्सा संस्थानों पर अब सख्त कार्रवाई की तैयारी है। 24 घंटे की निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद भी क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब और अल्ट्रासाउंड केंद्रों ने अपने वैध दस्तावेज पीएचसी कार्यालय में जमा नहीं किए। इसके बाद पीएचसी प्रभारी ने ऐसे संस्थानों को सील करने तथा संचालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की चेतावनी दी है।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों को पंजीकरण प्रमाणपत्र, फायर सेफ्टी एनओसी, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन से संबंधित दस्तावेज तथा चिकित्सकों की शैक्षणिक योग्यता के प्रमाणपत्र 24 घंटे के भीतर जमा करने का निर्देश दिया था।

33 में सिर्फ 9 संस्थानों ने जमा किए दस्तावेज– निर्धारित समय-सीमा तक कुल लगभग 33 निजी चिकित्सा संस्थानों में से केवल 9 संस्थानों ने ही आवश्यक कागजात जमा किए। इनमें 3 नर्सिंग होम, 3 अल्ट्रासाउंड केंद्र और 3 जांच घर/पैथोलॉजी लैब शामिल हैं। जबकि 24 से अधिक संस्थानों ने निर्देशों का पालन नहीं किया।

'अब किसी तरह की नरमी नहीं'– रामगढ़वा पीएचसी प्रभारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह ने कहा कि सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वाले और नियमों की अनदेखी कर संचालन करने वाले संस्थानों के खिलाफ अब किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। जिन संस्थानों ने दस्तावेज जमा नहीं किए हैं, उन्हें चिन्हित कर लिया गया है और पुलिस-प्रशासन के सहयोग से उन्हें सील करने तथा संचालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी।

संचालकों में हड़कंप– कार्रवाई की चेतावनी के बाद बिना वैध पंजीकरण, फायर एनओसी अथवा अन्य आवश्यक अनुमतियों के संचालित निजी अस्पतालों और जांच केंद्रों के संचालकों में हड़कंप की स्थिति है। विभागीय सूत्रों के अनुसार कई संचालक कार्रवाई से बचने के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष होगी और किसी भी प्रकार की सिफारिश स्वीकार नहीं की जाएगी।

हरसिद्धि पुलिस की बड़ी कार्रवाईः दो वारंटियों के घर कुर्की-जब्ती, कुर्की के डर से एक आरोपी ने किया सरेंडर

बीएनएम@ हरसिद्धि (पूर्वी चंपारण)

थानाध्यक्ष सुनील कुमार बोले— न्यायालय के आदेशों का हर हाल में कराया जाएगा पालन

न्यायालय से जारी कुर्की-जब्ती वारंटों के निष्पादन को लेकर हरसिद्धि थाना पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। दंडाधिकारी की मौजूदगी में दो वारंटियों के बंद मकान पर कुर्की-जब्ती की गई, जबकि एक अन्य कुर्की वारंटी ने कार्रवाई के भय से पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार रोबिन महतो (पिता– बेलास महतो) एवं बेलास महतो (पिता– बिजली महतो), निवासी ग्राम रानी छपड़ा, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण के बंद घर में न्यायालय के आदेश के आलोक में दंडाधिकारी की उपस्थिति में कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई। वहीं, निजामुद्दीन मियां (पिता– मोहम्मद मियां), निवासी ग्राम बड़ाहरपुर, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण ने कुर्की-जब्ती की कार्रवाई के भय से स्वयं पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय से निर्गत वारंटों के निष्पादन के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "न्यायालय के आदेशों का पालन हर हाल में सुनिश्चित कराया जाएगा। फरार अभियुक्तों एवं वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा। जो भी न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करेगा, उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि जिनके विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी है, वे स्वेच्छा से न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष उपस्थित हों, अन्यथा उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लंबित कांडों के निष्पादन में लापरवाही व शिथिलता बर्दाश्त नहीं : एसपी

बीएनएम@ बगहा

लंबित कांडों के निष्पादन में पुलिस पदाधिकारियों की लापरवाही और शिथिलता कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी, वैसे पुलिस पदाधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई तय है। उक्त बातें पुलिस अधीक्षक बगहा राजेश कुमार ने कही। वे बगहा पुलिस जिला के ठकराहा एवं नदी थाना का निरीक्षण कर रहे थे। एसपी ने निरीक्षण के दौरान दोनों थानों में लंबित कांडों की विस्तार से समीक्षा की, तथा अनुसंधान में तेजी लाने के साथ-साथ पुराने मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने कांड संचिकाओं के रखरखाव, अभिलेखों के संधारण तथा थाना परिसर की साफ-सफाई का जायजा लिया । उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश देते हुए कहा कि अनुसंधान कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए एवं प्रत्येक मामले का निष्पादन विधिसम्मत एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए।बरसात के मौसम को देखते हुए एसपी ने थाना स्तर पर पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया । पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी पुलिस पदाधिकारी या कर्मी के विरुद्ध पुलिस की छवि धूमिल करने वाली शिकायत मिलती है तो उसे गंभीरता से लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद, ठकराहा थानाध्यक्ष नरेश कुमार सहित दोनों थानों के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

नेपाल बॉर्डर पर उज़्बेकिस्तान की महिला गिरफ्तार, वैध वीज़ा नहीं मिलने पर पुलिस के हवाले

बीएनएम@ रक्सौल

मैत्री पुल के पास एसएसबी की कार्रवाई, आधार कार्ड और भारत में अवैध ठहरने की भी जांच

भारत-नेपाल सीमा पर मैत्री पुल के समीप सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने शनिवार देर शाम एक उज़्बेकिस्तान की महिला को हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच में महिला के पास भारत में रहने का वैध वीज़ा नहीं मिलने पर उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरैया थाना पुलिस को सौंप दिया गया। हिरासत में ली गई महिला की पहचान बोजोरोवा शकरजोन (जन्मः 20 दिसंबर 1994) के रूप में हुई है। उसके पास पासपोर्ट संख्या FA0742942 मिला है, जिसकी वैधता अक्टूबर 2029 तक है। एसएसबी के अनुसार महिला नेपाल की ओर जाने की कोशिश कर रही थी, तभी मैत्री पुल के पास उसे रोककर पूछताछ की गई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि महिला पिछले करीब एक वर्ष से मुंबई में अपने एक भारतीय परिचित के साथ रह रही थी। जांच के दौरान उसके भारत में रहने के लिए वैध वीज़ा नहीं मिलने की बात सामने आई। अधिकारियों के अनुसार यह भी जांच की जा रही है कि महिला ने कथित रूप से नाम बदलकर आधार कार्ड कैसे बनवाया। साथ ही यह भी पता चला है कि वह वर्ष 2023 से कई बार भारत आ चुकी है। एसएसबी ने आवश्यक दस्तावेजों एवं जब्ती रिपोर्ट के साथ महिला को हरैया थाना पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि महिला के संपर्क में कौन-कौन लोग थे और क्या मामला केवल अवैध प्रवास का है या इसमें पहचान छिपाने, फर्जी दस्तावेज अथवा मानव तस्करी जैसे किसी बड़े नेटवर्क की भी भूमिका है। पुलिस ने बताया कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित दूतावास और अन्य एजेंसियों से भी समन्वय स्थापित किया जाएगा।

बेलघाट विद्यालय पहुंचे डीएम, बच्चों को पढ़ाया पाठ; एसपी के साथ शिक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बीएनएम@ चिरैया

पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात एवं सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा के साथ चिरैया प्रखंड स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बेलघाट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, छात्र-शिक्षक उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन और स्वच्छता का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में छात्रों एवं शिक्षकों की उपस्थिति की जांच की। विद्यालय परिसर और रसोईघर की साफ-सफाई का निरीक्षण किया तथा मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जानकारी रसोइयों से ली। जांच में सभी शिक्षक उपस्थित मिले और छात्रों की उपस्थिति भी संतोषजनक पाई गई। इसके बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर पठन-पाठन व्यवस्था देखी। इस दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों से सीधे संवाद किया, उनकी पढ़ाई से जुड़े प्रश्न पूछे और छात्रों द्वारा दिए गए सटीक उत्तरों से प्रभावित होकर स्वयं कक्षा में पाठ पढ़ाया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। जिलाधिकारी ने छात्रों से कहा कि उनके अभिभावक उनके बेहतर भविष्य के लिए कठिन परिश्रम करते हैं, इसलिए बच्चों का भी कर्तव्य है कि वे पूरी लगन से पढ़ाई कर अपने माता-पिता का नाम रोशन करें। शिक्षकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे बच्चों को केवल विद्यार्थी नहीं, बल्कि अपने परिवार के सदस्य और अभिभावक की भावना से देखें। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और इस अभियान की सफलता में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने हाल ही में घोषित नीट परीक्षा के परिणाम का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वी चंपारण के कई प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। उन्होंने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह जिले के लिए गर्व की बात है और अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

ये कदम सही दिशा में

जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को इतनी बड़ी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/ पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता। दिल्ली सरकार की नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति सही दिशा में पहल है। राष्ट्रीय राजधानी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिहाज यह लाभदायक हो सकती है। लेकिन इस नीति का बोझ आम करदाताओं पर डालने पर नजरिया आपत्तिजनक है। उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करने के लिए 30 लाख रुपये तक की कारों पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में सौ फीसदी छूट दी गई है। साथ ही प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए बीएस-4 या उससे पुराने चार पहिया वाहनों के लिए एक लाख रुपये तक का स्क्रैपेज इंसेंटिव दिया जाएगा। अगले चार वर्ष में दिल्ली सरकार 15,000 करोड़ रुपये ऐसी सब्सिडी और ईवी के चार्जिंग स्थल बनाने आदि पर खर्च करेगी। स्पष्टतः राजकोष से खर्च होने वाला ये पैसा उन नागरिकों की कीमत पर होगा, जो कार रखने का सपना भी नहीं देख पाते। जिस देश में कार स्वामित्व कुल आबादी में आठ प्रतिशत से नीचे हो, वहां कार मालिकों को ऐसी सब्सिडी देना सिरे से काबिल-ए-एतराज है। इससे बेहतर नजरिया डीजल/ पेट्रोल कार रखना महंगा बनाना होता। यह फैसला लिया जा सकता था कि ऐसी कार रखने वालों को ईवी की तुलना में दो या तीन गुना अधिक रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क देना होगा। सार्वजनिक स्थलों पर वैसे वाहनों का पार्किंग शुल्क भी दो या तीन गुना ज्यादा किया जा सकता था। भारत में कार रखने वाले तबकों के लिए यह खर्च कोई बड़ा बोझ नहीं है। उस स्थिति में इस जरूरी पहल का बोझ राजकोष पर नहीं पड़ता। बल्कि सरकार अतिरिक्त राजस्व जुटा सकती थी, जिसे सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को दुरुस्त करने पर खर्च किया जा सकता था। लेकिन अब अंदेशा है कि सार्वजनिक कल्याण और गरीब तबकों को बुनियादी सुविधाएं देने के लिए रखे जाने वाले बजट पर ईवी को प्राथमिकता देने के निर्णय की मार पड़ेगी। दिल्ली सरकार ने एक जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक थ्री-व्हिलर्स (ई-ऑटो) का पंजीकरण करने और एक अप्रैल 2028 से पेट्रोल-सीएनजी दोपहिया वाहनों का पंजीकरण पूरी तरह बंद कर केवल इलेक्ट्रिक मॉडल्स को अनुमति देने का फैसला किया है। ये कदम सही दिशा में हैं।

जब आंदोलन कहे-नेता बचाइए, संघर्ष नहीं रोकिए

कुमार कृष्णन

- सोनम को लिखे एक पत्र के बहाने जनांदोलनों की नैतिक राजनीति पर विमर्श

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास केवल चुनावों, संसद और सरकारों का इतिहास नहीं है। यह उन जनांदोलनों का भी इतिहास है जिन्होंने समय-समय पर सत्ता को आईना दिखाया, समाज की चेतना को झकझोरा और लोकतंत्र को उसकी मूल भावना की याद दिलाई। चंपारण सत्याग्रह से लेकर भूदान आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, सूचना के अधिकार की लड़ाई और किसानों के आंदोलनों तक, भारत में जनसंघर्षों ने हमेशा यह साबित किया है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की नैतिक शक्ति से भी संचालित होता है। ऐसे ही संघर्षों के बीच लिखा गया जल बिरादरी का एक पत्र केवलएक अपील नहीं, बल्कि जनांदोलनों के दर्शन, नैतिकता और भविष्य पर गंभीर चिंतन प्रस्तुत करता है।जलपुरुष राजेंद्र सिंह राणा और एकता परिषद के संस्थापक राजगोपाल पी. वी. द्वारा सोनम जी को संबोधित यह पत्र पहली दृष्टि में एक अनशनकारी से अनशन समाप्त करने का आग्रह प्रतीत होता है। किंतु यदि इसकी भाषा, तर्क और भाव को गहराई से पढ़ा जाए तो स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष को समाप्त करने का नहीं, बल्कि उसे अधिक व्यापक, अधिक लोकतांत्रिक और अधिक टिकाऊ बनाने का दस्तावेज़ है।पत्र की शुरुआत ही अत्यंत अर्थपूर्ण है। लेखक पहले अपने परिचय से नैतिक विश्वसनीयता स्थापित करते हैं। राजेंद्र सिंह को वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने अपना जीवन जल संरक्षण, पर्यावरण और वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। वहीं राजगोपाल पी. वी. का परिचय भूमि सुधार और जनाधिकार आंदोलनों के अग्रणी नेता के रूप में दिया गया है। इसके बाद वे लिखते हैं कि वे केवल अपनी ओर से नहीं, बल्कि देश भर के अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं और जन आंदोलनों की ओर से यह अपील कर रहे हैं। इस प्रकार पत्र किसी व्यक्ति की निजी राय न रहकर व्यापक सामाजिक चेतना का प्रतिनिधित्व करने लगता है।पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें कहीं भी सोनम के आंदोलन की वैधता पर प्रश्न नहीं उठाया गया। इसके विपरीत, लेखक स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि उनके अनशन ने राष्ट्र की अंतरात्मा को झकझोरा है। उन्होंने देश के भविष्य से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रश्न को करोड़ों लोगों के सामने ला खड़ा किया है। उनकी सादगी, ईमानदारी और अटूट प्रतिबद्धता को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया गया है। यह स्वीकारोक्ति महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष में विरोध की नैतिक वैधता को स्वीकार किए बिना संवाद संभव नहीं होता।यही इस पत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यह संघर्ष और संघर्षकर्ता दोनों का सम्मान करता है। यह न तो आंदोलन को कमजोर करता है और न ही अनशनकारी के संकल्प को कमतर बताता है। बल्कि यह कहता है कि संघर्ष इतना महत्वपूर्ण है कि उसके सबसे महत्वपूर्ण नेतृत्व को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।पत्र का केंद्रीय तर्क एक वाक्य में समाहित है—ऐसा आंदोलन केवल एक व्यक्ति के बलिदान पर निर्भर नहीं रह सकता। यह केवल एक सलाह नहीं, बल्कि आधुनिक जनांदोलनों के लिए एक गहरी राजनीतिक चेतावनी भी है। भारतीय समाज ने अनेक बार देखा है कि जब आंदोलन पूरी तरह किसी एक व्यक्ति के व्यक्तित्व पर आधारित हो जाता है, तब उसकी सफलता और असफलता भी उसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ जाती है। इससे आंदोलन की सामूहिक शक्ति सीमित हो जाती है।इनलोगों का आग्रह है कि किसी भी न्यायपूर्ण संघर्ष का भार अकेले एक व्यक्ति के कंधों पर नहीं होना चाहिए। यदि हजारों लोग उस मुद्दे से सहमत हैं, यदि समाज उस संघर्ष को अपना मानता है, तो उसके लिए जिम्मेदारी भी हजारों लोगों को उठानी चाहिए। यही कारण है कि पत्र में रिले अनशन और अन्य शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीकों से संघर्ष जारी रखने का सुझाव दिया गया है। यह सुझाव केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भी है। यह आंदोलन को व्यक्ति-केंद्रित से समाज-केंद्रित बनाने का प्रस्ताव है।पत्र का एक और उल्लेखनीय पक्ष सरकार के प्रति उसका संतुलित दृष्टिकोण है। लेखक स्वीकार करते हैं कि सोनम का मानना है कि अपील सरकार से की जानी चाहिए, उनसे नहीं। वे इस तर्क को अस्वीकार नहीं करते। बल्कि बताते हैं कि पिछले सप्ताह उन्होंने उन सभी लोगों से संवाद करने का प्रयास किया जो सरकार को जिम्मेदारी से निर्णय लेने के लिए प्रभावित कर सकते थे, लेकिन अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। यह स्वीकारोक्ति पत्र को और अधिक विश्वसनीय बनाती है। इससे स्पष्ट होता है कि अनशन समाप्त करने की अपील सरकार की जवाबदेही को कम करने के लिए नहीं, बल्कि आंदोलन की ऊर्जा को बचाने के लिए की जा रही है।भारतीय लोकतंत्र में यह प्रश्न हमेशा महत्वपूर्ण रहा है कि जब सरकार संवाद से इंकार कर दे तो नागरिक क्या करें? गांधी ने सत्याग्रह का मार्ग चुना, जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन किया। इन सभी आंदोलनों में नैतिक दबाव सबसे बड़ा हथियार था। किंतु इन आंदोलनों ने यह भी सिखाया कि संघर्ष किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता से बड़ा होना चाहिए। यदि आंदोलन का अस्तित्व केवल एक व्यक्ति के उपवास पर निर्भर रह जाए तो उसकी स्थिरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।पत्र का सबसे संवेदनशील हिस्सा वह है जहाँ लेखक कहते हैं कि आज उनकी सबसे बड़ी चिंता सोनम का स्वास्थ्य है। यह केवल भावुकता नहीं है। इसके पीछे एक गहरी राजनीतिक समझ है। लेखक लिखते हैं कि देश को उनकी आवाज़, उनके नैतिक नेतृत्व और भविष्य के संघर्षों में उनकी सक्रिय उपस्थिति की आवश्यकता है। इसका आशय यह है कि किसी आंदोलन की सबसे बड़ी पूंजी उसका नैतिक नेतृत्व होता है। यदि वही नेतृत्व असमय संकट में पड़ जाए तो समाज एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक खो सकता है।यह विचार गांधीवादी राजनीति की मूल अवधारणा से जुड़ता है। गांधी ने व्यक्तिगत तपस्या को कभी आत्मविनाश का साधन नहीं बनाया। उनका उद्देश्य हमेशा समाज की चेतना को जगाना था। जब उद्देश्य पूरा हो जाता या आंदोलन को नए चरण में ले जाने की आवश्यकता होती, तब रणनीति भी बदलती थी। जल बिरादरी का यह पत्र उसी परंपरा की याद दिलाता है। इसमें त्याग का सम्मान है, लेकिन जीवन की रक्षा को भी उतना ही आवश्यक माना गया है।पत्र का अंतिम संदेश सबसे अधिक प्रभावशाली है। दोनों ने लिखा है हैं कि यदि सोनम अनशन समाप्त कर आंदोलन को जनता के हाथों सौंपते हैं, तो वे संघर्ष समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि उसका विस्तार करेंगे। यह वाक्य भारतीय जनांदोलनों की आत्मा को व्यक्त करता है। किसी भी लोकतांत्रिक संघर्ष की अंतिम सफलता इस बात में नहीं होती कि एक व्यक्ति कितनी पीड़ा सह सका, बल्कि इस बात में होती है कि कितने लोग उस संघर्ष को अपना मानने लगे।आज के समय में जब सोशल मीडिया और व्यक्तित्व-आधारित राजनीति के कारण अनेक आंदोलन किसी एक चेहरे तक सीमित हो जाते हैं, यह पत्र सामूहिक नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देता है। लोकतंत्र में कोई भी आंदोलन तभी स्थायी बन सकता है जब वह व्यक्ति-पूजा से ऊपर उठकर जनभागीदारी का आंदोलन बने। संघर्ष का केंद्र किसी एक व्यक्ति का शरीर नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना होनी चाहिए।यह पत्र हमें यह भी सिखाता है कि नेतृत्व का अर्थ केवल सबसे आगे खड़ा होना नहीं है। कभी-कभी नेतृत्व का सबसे बड़ा दायित्व स्वयं को बचाकर रखना भी होता है, ताकि भविष्य के संघर्षों में समाज का मार्गदर्शन किया जा सके। यह विचार भारतीय राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षाकृत कम चर्चा का विषय रहा है, जबकि इसकी प्रासंगिकता अत्यंत व्यापक है।अंततः यह पत्र केवल सोनम के नाम लिखी गई अपील नहीं है। यह हर उस जनांदोलन के लिए एक संदेश है जो न्याय, पर्यावरण, भूमि, जल, जंगल, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है। यह हमें याद दिलाता है कि किसी भी आंदोलन की सबसे बड़ी शक्ति उसका नैतिक आधार, उसकी सामूहिकता और उसकी लोकतांत्रिक भावना होती है। यदि संघर्ष एक व्यक्ति से निकलकर समाज की साझा जिम्मेदारी बन जाए, तो उसकी सफलता की संभावना कहीं अधिक बढ़ जाती है।इस दृष्टि से जल बिरादरी का यह पत्र समकालीन भारत के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और नैतिक दस्तावेज़ है। यह बताता है कि अनशन समाप्त करना हमेशा संघर्ष समाप्त करना नहीं होता। कई बार यह संघर्ष को एक नए चरण में ले जाने, उसे व्यापक समाज तक पहुँचाने और उसे अधिक लोकतांत्रिक बनाने का साहसिक निर्णय भी होता है। यही इस पत्र का सबसे बड़ा संदेश है और शायद यही किसी भी जनांदोलन की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

उत्तराखंड की सूनी होती धरती और बढ़ता पलायन

कांतिलाल मांडोत

उत्तराखंड को प्रकृति ने अपार सौंदर्य, घने जंगल, स्वच्छ जलस्रोत और उपजाऊ सीढ़ीदार खेतों का वरदान दिया है। कभी यही खेत पहाड़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते थे। मंडुवा, झंगोरा, गहत, चावल, मक्का और अन्य पारंपरिक फसलें न केवल लोगों की आजीविका का आधार थीं, बल्कि पहाड़ी संस्कृति और जीवनशैली की पहचान भी थीं। आज वही खेत तेजी से बंजर होते जा रहे हैं। गांव खाली हो रहे हैं, खेती से लोगों का भरोसा उठ रहा है और रोजगार की तलाश में युवा पहाड़ छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। यह केवल कृषि संकट नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की सबसे बड़ी चुनौती आजीविका के सीमित साधन हैं। राज्य का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पर्वतीय है और आधे से अधिक लोग इन्हीं इलाकों में रहते हैं। यहां उद्योगों का विकास सीमित है और सरकारी नौकरियां भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में खेती और पशुपालन ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन क्षेत्रों का योगदान लगातार घटा है। एक समय राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि और पशुपालन का योगदान लगभग 14 प्रतिशत था, जो अब घटकर लगभग 9 प्रतिशत के आसपास रह गया है। यह गिरावट बताती है कि खेती अब लोगों के लिए लाभ का नहीं बल्कि संघर्ष का माध्यम बनती जा रही है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि केवल पांच वर्षों के भीतर राज्य में लगभग 63 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि बंजर हो गई है। अल्मोड़ा और पौड़ी जैसे जिलों में सबसे अधिक खेत खेती से बाहर हो चुके हैं। जिन सीढ़ीदार खेतों में कभी हरियाली लहलहाती थी, वे अब घास और झाड़ियों से भर गए हैं। गांवों के आसपास फैले खेत चारागाह में बदलते जा रहे हैं। यह दृश्य केवल कृषि संकट का नहीं बल्कि पहाड़ की बदलती सामाजिक तस्वीर का भी संकेत है। खेती से लोगों का मोहभंग कई कारणों से हुआ है। सबसे पहला कारण लगातार बढ़ता पलायन है। जब गांव के युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर चले जाते हैं तो खेतों में काम करने वाले हाथ कम पड़ जाते हैं। बुजुर्ग और महिलाएं अकेले पूरी खेती नहीं संभाल पातीं। धीरे-धीरे खेत खाली छोड़ दिए जाते हैं और फिर वे बंजर हो जाते हैं। यही कारण है कि उत्तराखंड के अनेक गांव आज जनसंख्या घटने और खेती समाप्त होने की दोहरी मार झेल रहे हैं।

दूसरा बड़ा कारण जंगली जानवरों का बढ़ता आतंक है। जंगलों से निकलकर बंदर, लंगूर, जंगली सुअर, नीलगाय और अन्य वन्यजीव खेतों में घुसकर पूरी फसल नष्ट कर देते हैं। किसान पूरे वर्ष मेहनत करता है लेकिन कटाई से पहले ही फसल बर्बाद हो जाती है। ऐसे में किसान का मनोबल टूटना स्वाभाविक है। कई गांवों में स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोग खेती करने का जोखिम ही नहीं उठाना चाहते। खेती में लागत बढ़ती जा रही है लेकिन उत्पादन की कोई गारंटी नहीं बची है। तीसरी समस्या सिंचाई की कमी है। उत्तराखंड के अधिकांश पर्वतीय क्षेत्रों में खेती आज भी वर्षा पर निर्भर है। यदि मानसून समय पर नहीं आए या बारिश कम हो जाए तो पूरी बुआई प्रभावित हो जाती है। आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का अभाव किसानों की परेशानी और बढ़ा देता है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम की अनिश्चितता ने भी खेती को पहले से अधिक जोखिम भरा बना दिया है।

चौथा कारण खेती से मिलने वाला सीमित लाभ है। पहाड़ों में छोटे-छोटे खेत, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और परिवहन की ऊंची लागत किसानों की आय को सीमित कर देती है। यदि फसल अच्छी भी हो जाए तो उसे बाजार तक पहुंचाना महंगा पड़ता है। किसान को उचित मूल्य नहीं मिलता और उसकी मेहनत का लाभ बिचौलियों तक सीमित रह जाता है। यही वजह है कि अनेक परिवार अब केवल अपने घरेलू उपयोग के लिए खेती कर रहे हैं, जबकि नकदी आय के लिए परिवार का कोई सदस्य शहरों में मजदूरी या नौकरी करने को मजबूर है। महिलाओं पर इस संकट का सबसे अधिक प्रभाव दिखाई देता है। पहाड़ों में पुरुषों के पलायन के बाद खेती, पशुपालन, घर और परिवार की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर आ जाती है। बढ़ती उम्र, सीमित संसाधन और जंगली जानवरों के खतरे के बीच खेती करना उनके लिए लगातार कठिन होता जा रहा है। अनेक महिलाएं मानती हैं कि अब खेती केवल परंपरा निभाने तक सीमित रह गई है, क्योंकि इससे परिवार का खर्च चलाना संभव नहीं रह गया है। खेती में गिरावट का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव पूरे ग्रामीण समाज पर पड़ रहा है। गांवों में स्कूल बंद होने की स्थिति बन रही है, स्थानीय बाजारों की गतिविधियां कम हो रही हैं और पारंपरिक संस्कृति भी कमजोर पड़ रही है। जब गांव खाली होते हैं तो वहां की सामाजिक संरचना भी टूटने लगती है। त्योहार, मेलों और सामुदायिक जीवन की रौनक धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। पलायन केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं बल्कि पूरे सामाजिक ताने-बाने में बदलाव लेकर आता है। फसलों के आंकड़े भी इस संकट की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में चावल, मंडुवा, सावा और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के रकबे में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से मंडुवा और सावा जैसी पारंपरिक मोटे अनाज की खेती में लगभग एक चौथाई से अधिक गिरावट दर्ज की गई है। जबकि आज पूरी दुनिया मोटे अनाज को पोषण और जलवायु अनुकूल खेती के रूप में बढ़ावा दे रही है, उत्तराखंड में इनकी खेती सिमटती जा रही है। यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि इस समस्या का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में उत्तराखंड के अनेक गांव पूरी तरह खाली हो सकते हैं। इसलिए केवल खेती को बचाने की नहीं बल्कि पूरे पहाड़ी जीवन को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी मनोकामना आज पूरी होगी और आपको परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे अच्छे कॉलेज में आप एडमिशन ले पाएंगे। आज व्यापार में आपको नये सुनहरे अवसर मिलने की संभावना है। आप अपने खानपान पर ध्यान रखेंगे, जिससे आज आपकी सेहत फिट एंड फाइन रहेगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज का दिन व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगा, रोज की अपेक्षा अधिक लाभ होगा। आज निवेश से जुड़े कुछ बेहतर मौके आपको मिल सकते हैं, बेहतर होगा किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लें। आज का दिन नई कार्य योजना बनाने और फैसला लेने के लिए बहुत अच्छा है। आज हर काम ईमानदारी से पूरा करने की कोशिश करें, आपको सफलता जरूर मिलेगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने में लगेगा। आज आपके बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बने हुए हैं। आज अपने कार्यों को पूरी सावधानी से करें, साथ ही दूसरों की हर संभव मदद करें।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। आप अपनी सोच को सकारात्मक रखें। आज आर्थिक मामलों पर मनन और चिंतन करने की जरूरत है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की योजना बन सकती है। आज जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं, इसके लिए आपको अच्छे ऑप्शन मिल जाएंगे। महिलाएं आज जीवनसाथी की मदद से अपना लघु उद्योग शुरू करेंगी।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बिजनेस में आज परिवार से सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी में पब्लिक डीलिंग करते समय आज नकारात्मक शब्दों के प्रयोग से बचें। अपनी वाणी में विनम्रता लाएं। आज छात्रों को अपने करियर को लेकर मन में दुविधा होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। इस राशि के सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज ट्रांसफर ऐसी जगह होगा जहां से आपको अप-डाउन करने में आसानी होगी। आज आप छोटी-छोटी चीजों में खुशियां ढूंढने का प्रयास करेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत होगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज आपका सामाजिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। आपके कामों से आपके पड़ोसी प्रभावित होंगे। आज आपका मन नये कार्यों को सीखने के लिए उत्साहित रहेगा। आपके करियर में सार्थक बदलाव आएंगे, आप कुछ इनोवेटिव करने का प्रयास करेंगे। आज आप अपने बनाए प्लान में थोड़ा बहुत बदलाव करेंगे, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्साहवर्धक रहेगा। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा है। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आज आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अचानक धन लाभ का योग बन रहा है। आज आपका झुकाव समाज सेवा की तरफ रहेगा। शत्रु पक्ष आपको परेशान करने का प्रयास करेगा, लेकिन आप अपनी समझ-बुझ से समस्याओं से बाहर निकलने में कामयाब होंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज दिन आपके लिए नई ऊर्जा से भरा रहने वाला है। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आप घर पर किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करेंगे। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज लोगों के बीच आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। छात्रों को किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। साइंस से जुड़े छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। परिवार में आपसी सौहार्द बना रहेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आएगा। कार्य स्थल पर अधिकारी आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। आज समय का सदुपयोग करके आप अपने कार्य की गुणवत्ता को बेहतर कर सकते हैं। सफल होने के योग हैं। सारा दिन एनर्जेटिक महसूस करेंगे। आज कला और संगीत से जुड़े लोगों के अच्छे प्रदर्शन का प्रभाव उनके करियर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। आज लोग आपकी कला की सराहना करेंगे।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। आज कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। बचपन के दोस्त से हो सकती है। घर के किसी सदस्य की उपलब्धि से प्रसन्नता भरा माहौल रहेगा। आज आपकी सकारात्मक सोच कार्यों को पूरा करने में मदद करेगी।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज जिस भी कार्य को शुरू करेंगे उसमें आपको निश्चित ही सफलता मिलेगी। संतान के करियर को लेकर आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान कुछ दिन के लिए टालना पड़ सकता है। आज ऑफिस में बॉस आपके कार्यों की तारीफ करेंगे।

अकादमिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और कर्मचारी हितों के साथ आगे बढ़ता छत्तीसगढ़

विष्णु प्रसाद वर्मा

किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है और इसकी गुणवत्ता केंद्र में खड़े शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों की सक्षमता, सुरक्षा और सम्मान पर निर्भर करती है। जब उच्च शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत मानव संसाधन को पदोन्नति, सेवा सुरक्षा, वित्तीय सम्मान और शोध के अवसर एक साथ मिलते हैं, तब शिक्षा राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की सबसे मजबूत धुरी बन जाती है। छत्तीसगढ़ का उच्च शिक्षा विभाग इन दिनों इसी व्यापक और समग्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग को केवल भवनों, पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं तक सीमित न रखकर उसे अकादमिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, रोजगार सृजन, शोध संवर्धन और कर्मचारी कल्याण से जोड़ा है। हाल के महीनों में लिए गए निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को भविष्य के ज्ञान-केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पदोन्नतियों की लंबित फाइलों को गति देना, नई भर्तियां, वेतनमान व एरियर्स का निराकरण, तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति, शोध को प्रोत्साहन और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कदमों से विभाग ने हर मोर्चे पर ठोस और संवेदनशील पहल की है।

पदोन्नति से संस्थागत नेतृत्व को नई शक्तिः उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का एक बड़ा आधार उनका नेतृत्व होता है। जब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग्य और अनुभवी शिक्षकों को समय पर पदोन्नति मिलती है, तो उसका सीधा असर संस्थान की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक क्षमता पर दिखाई देता है। लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को गति देकर राज्य सरकार ने एक निर्णायक पहल की है। वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नत कर प्राध्यापक (प्रोफेसर) बनाया गया है। इसके साथ ही 152 पदोन्नत प्राध्यापकों को स्नातक प्राचार्य तथा 07 स्नातक प्राचार्यों को स्नातकोत्तर (क्कत्र) प्राचार्य के पद पर पदोंन्नत किया गया है। इन निर्णयों से महाविद्यालयों की कमान अनुभवी हाथों में पहुँची है, जिससे संस्थागत निर्णय क्षमता, शैक्षणिक अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत होगी। सीधी भर्ती से युवाओं के लिए खुले अवसरों के नए द्वार : गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के लिए संस्थानों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक और विशेषज्ञ अनिवार्य हैं। राज्य सरकार ने रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर युवाओं के लिए सरकारी सेवा में प्रवेश के बड़े अवसर निर्मित किए हैं। शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के 595 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है। इसके अतिरिक्त, विभागीय संरचना को सशक्त बनाने के लिए कुल 700 पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी गई है। इनमें 625 पद सहायक प्राध्यापक, 50 पद ग्रंथपाल और 25 पद क्रीड़ाधिकारी के शामिल हैं। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से विषयवार अध्यापन की गुणवत्ता बेहतर होगी, ग्रंथपालों से पुस्तकालय अकादमिक संसाधनों के प्रभावी केंद्र बनेंगे और क्रीड़ाधिकारियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। यह अभियान प्रदेश के योग्य युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनने जा रहा है।

ष्टत्र-स्श्वञ्जः युवा अकादमिक प्रतिभाओं के लिए बड़ी उम्मीदः राज्य में सहायक प्राध्यापक बनने की आकांक्षा रखने वाले हजारों युवाओं के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (ष्टत्र-स्श्वञ्ज) एक महत्वपूर्ण अवसर है। विभाग द्वारा ष्टत्र-स्श्वञ्ज का आयोजन 04 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है द्य सरकार नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को अकादमिक करियर में आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक परिदृश्य और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाने का अवसर देती है।

प्रयोगशालाओं और तकनीकी तंत्र को मिला नया आधारः विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक विषयों के लिए प्रयोगशालाएं, उपकरण और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ उतने ही आवश्यक हैं जितने कक्षा और कक्ष। वर्ष 2025-26 के दौरान प्रयोगशाला तकनीशियन के 260 रिक्त पदों के विरुद्ध 247 अभ्यर्थियों तथा प्रयोगशाला परिचारक के 429 रिक्त पदों के विरुद्ध 399 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता से प्रयोगशालाओं का नियमित संचालन और विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

वेतनमान, एरियर्स और सेवा सुरक्षाः कर्मचारियों का बढ़ा भरोसाः विभागीय मजबूती का सबसे बड़ा आधार कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, न्यायपूर्ण वेतन संरचना और लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान है। आपातकालीन रूप से अचयनित रहे 72 सहायक प्राध्यापकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठ, प्रवर श्रेणी और पे-बैंड-4 की स्वीकृति देकर 37.23 करोड़ रुपये की एरियर्स राशि उनके खातों में अंतरित की गई है, जो संस्थागत न्याय का प्रतीक है। इसी तरह, वर्ष 2021 और 2022 में नियुक्त लगभग 1168 सहायक प्राध्यापकों में से रिकॉर्ड 935 नवनियुक्त प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। परिवीक्षा समाप्त होना कर्मचारियों के लिए स्थायित्व और पेशेवर सुरक्षा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिससे विभाग के भीतर प्रतिबद्ध शैक्षणिक कार्यबल तैयार हुआ है।

शोध, अनुसंधान और गैर-अकादमिक स्टाफ का कल्याण

उच्च शिक्षा व्यवस्था में शोध और नवाचार की भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा 577 सहायक प्राध्यापकों को पीएचडी करने की अनुमति देना एक दूरदर्शी निर्णय है। अधिक शिक्षक जब शोध से जुड़ेंगे, तो कक्षा में अद्यतन ज्ञान पहुंचेगा और महाविद्यालयों में बौद्धिक विमर्श का स्तर ऊपर उठेगा। शिक्षकों के साथ-साथ तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भी व्यवस्था की रीढ़ हैं। दिसंबर 2023 से अब तक दिवंगत कर्मचारियों के 34 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है, जो संकटग्रस्त परिवारों को जीवन संभालने का संबल देती है। इसके अतिरिक्त, 324 कर्मचारियों को उच्चतर समयमान वेतनमान प्रदान किया गया है और वर्ष 2024-25 की पदोन्नति संबंधी समस्त कार्यवाहियां समय सीमा में पूर्ण कर ली गई हैं।

उच्च शिक्षा में समग्र सुधार का उभरता मॉडलः उच्च शिक्षा विभाग के ये फैसले मिलकर एक व्यापक परिवर्तनकारी मॉडल की रचना करते हैं, जहां नेतृत्व सुदृढ़ीकरण, नई भर्ती, सेवा सुरक्षा, कर्मचारी कल्याण, तकनीकी संसाधन और शोध संवर्धन एक साथ आगे बढ़ते हैं। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आज दिखाई दे रहे हैं, वे केवल विभागीय उपलब्धियों की सूची नहीं, बल्कि एक ऐसी नीति-दृष्टि हैं जिसमें शिक्षा को राज्य के भविष्य निर्माण का केंद्रीय माध्यम माना गया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विश्व कप का फाइनल खेलना हमारा सपना, इतिहास रचना चाहती है टीम : सलीमा टेटे

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में टीम का लक्ष्य सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि फाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचना है। उन्होंने कहा कि एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और सभी खिलाड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले महिला हॉकी विश्व कप में भारत को पूल-डी में चीन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा। विश्व कप में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रही सलीमा ने हॉकी इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "यह मेरे लिए बेहद खास एहसास है। मैं उत्साहित भी हूं और थोड़ी घबराहट भी है, क्योंकि हॉकी का यह सबसे बड़ा टूर्नामेंट है और भारत की कप्तानी करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हर खिलाड़ी विश्व कप खेलने का सपना देखता है और मुझे टीम की कप्तानी का मौका मिला है, जिससे यह और भी खास हो गया है।" उन्होंने आगे कहा, "पिछले विश्व कप में हमने अच्छा हॉकी खेला था, लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे। इस बार हम सभी फाइनल तक पहुंचने और उससे भी आगे जाने की बात कर रहे हैं। यही हमारा साझा सपना है। मेरी पहली जिम्मेदारी अच्छा प्रदर्शन करना है, ताकि अपने खेल से टीम का नेतृत्व कर सकूं। साथ ही मैं खासकर युवा खिलाड़ियों की हर संभव मदद करना चाहती हूं।" युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन पर सलीमा ने कहा, "इस टीम की सबसे बड़ी ताकत आपसी संवाद है। युवा खिलाड़ी वरिष्ठ खिलाड़ियों से सलाह लेने में कभी संकोच नहीं करते और अनुभवी खिलाड़ी भी हमेशा उनका मार्गदर्शन करने के लिए तैयार रहते हैं।" उन्होंने कहा, "मैं चाहती हूं कि हर खिलाड़ी खुलकर अपनी बात रखे। हमें एक-दूसरे को सुनना, सीखना और एकजुट रहना होगा। विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के बीच मजबूत तालमेल बेहद जरूरी होता है। जब हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं और अच्छी तरह संवाद करते हैं, तो दबाव का सामना करना आसान हो जाता है।" विश्व कप की चुनौती पर सलीमा ने कहा, "हर विश्व कप अलग होता है क्योंकि यहां दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करना पड़ता है। हमारे पूल में भी मजबूत टीमें हैं और हर मैच में हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।" उन्होंने कहा, "हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव को बोझ नहीं, बल्कि सकारात्मक रूप से स्वीकार करना है। हमने अच्छी तैयारी की है। अब जरूरत खुद पर भरोसा रखने और अपनी रणनीति पर अमल करने की है। यदि हम मानसिक रूप से मजबूत रहे और एक-दूसरे का साथ दिया, तो हर चुनौती का सामना कर सकते हैं।"

बेल्जियम दौरे के बाद भारतीय जूनियर टीम से खुश कोच फ्रेडरिक सोयेज, कहा- हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं

एजेंसी, एंटवर्प

भारतीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने बेल्जियम दौरे के समापन पर टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरे ने खिलाड़ियों को सीखने, खुद को निखारने और एक मजबूत टीम के रूप में विकसित होने का बेहतरीन अवसर दिया। भारतीय टीम ने 5 से 18 जुलाई तक चले छह मैचों के इस एक्सपोजर दौरे का समापन नीदरलैंड पर 4-3 की रोमांचक जीत के साथ किया। सोयेज ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "बेल्जियम का यह दौरा मैदान के अंदर और बाहर, दोनों ही लिहाज से शानदार अनुभव रहा। मजबूत टीमों के खिलाफ कठिन परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को सीखने, विकास करने और टीम के रूप में आगे बढ़ने का अमूल्य अवसर मिला।" भारत ने अपने अभियान की शुरुआत वाव्रे स्थित बेल्फियस हॉकी एरिना में ऑस्ट्रिया के खिलाफ 2-4 की हार से की थी। हालांकि, टीम ने अगले ही मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रिया को 4-1 से हराया। इसके बाद भारत को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। चौथे मैच में जर्मनी ने अंतिम मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को 1-0 से मात दी। पांचवें मुकाबले में बेल्जियम ने भारत को 4-2 से हराया, लेकिन अंतिम मैच में भारतीय टीम ने शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए नीदरलैंड को 4-3 से हराकर दौरे का समापन जीत के साथ किया। कोच सोयेज ने कहा, "परिणामों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह रहा कि टीम ने हर मैच के साथ अपने प्रदर्शन में सुधार किया। खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता और सीखने की इच्छा हर मुकाबले में दिखाई दी।" उन्होंने कहा, "बेल्जियम और जर्मनी के खिलाफ हमें मामूली अंतर से हार मिली, लेकिन हमारा प्रदर्शन काफी उत्साहजनक रहा। इन मुकाबलों से हमें कई सकारात्मक सीख मिली।

विश्वकप विजेता टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ को ऐतिहासिक चैंपियनशिप रिंग देगी फीफा

एजेंसी, अटलांटा

विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने कहा है कि इस बार विश्वकप 2026 की विजेता टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को प्रतिष्ठित ट्रॉफी और स्वर्ण पहक के साथ ही सम्मान स्वरुप एक विशेष चैंपियनशिप रिंग भी दी जाएगी। ये घोषणा फीफा ने आधिकारिक तौर पर की है और इसे विजेताओं के लिए एक नई परंपरा की शुरुआत बताया गया है। फीफा ने बताया है कि उसने रिंग देने का फैसला अमेरिकी खेलों की मशहूर परंपरा से प्रेरित होकर किया है। इसमें चैंपियन टीमों को उनकी जीत के लिए विशेष रिंग्स दी जाती हैं। इसका मुख्य लक्ष्य खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक जीत की एक स्थायी और खास याद दिलाना है। यह रिंग पहली बार फुटबॉल विश्व कप का हिस्सा बनेगी, जिससे इस खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट की विजेता टीम के लिए सम्मान का एक नया अध्याय जुड़ेगा। गौरतल है कि इस प्रत्येक रिंग को बड़े ही खास अंदाज में डिजाइन किया जाएगा। रिंग के एक तरफ फीफा विश्व कप की ट्रॉफी बनी होगी, जो टूर्नामेंट की गरिमा को दर्शाएगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम के अनुसार एक खास डिजाइन तैयार किया जाएगा। हर रिंग पर एक अद्वितीय नंबर होगा और उसे खिलाड़ी के हिसाब से तैयार किया जाएगा।

इसके साथ ही, उसकी प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए असली होने का प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। फाइनल मैच खत्म होने के तुरंत बाद, विजेता टीम के कप्तान और हेड कोच को सांकेतिक रूप से अस्थायी रिंग दी जाएगी। इसके बाद, पूरी विजेता टीम के लिए कुल 30 रिंग तैयार की जाएंगी, जिन्हें व्यक्तिगत रूप से खिलाड़ियों के अनुसार कस्टमाइज किया जाएगा और बाद में एक भव्य समारोह में आधिकारिक रूप से उन्हें सौंपा जाएगा।

भारत में भी गेंदबाजों को सहायता देने वाली तेज पिचें बनायें : पुजारा

एजेंसी, मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि देश में ऐसी पिचें बनायी जानी चाहिये जिससे गेंदबाजों को भी सहायता मिले। पुजारा के अनुसार इन पिचों पर खेलने से घरेलू गेंदबाजों को तो लाभ होगा ही बल्लेबाजों को भी तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलने का अवसर मिलेगा। इससे वे विदेशी हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। पुजारा ने देश में तेज पिचों को बनाने का ये सुझाव इसलिए भी दिया है क्योंकि भारतीय टीम के बल्लेबाज विदेशी दौरों में तेज और उछाल भरी पिचों पर जूझते आये हैं। इंग्लैंड में भी यही देखने में आया है। तेज और उछाल भरी पिचों के कारण ही हाल ही में, भारतीय टीम को आयरलैंड जैसी कमजोर टीम के खिलाफ टी20 0-2 से हार मिली, जिसके बाद उसे इंग्लैंड के खिलाफ भी टी20 सीरीज में 0-4 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इस पूरे दौरे में, भारतीय बल्लेबाजों को उछाल और गति का सामना करने में काफी परेशानी हुई, जिससे उनकी तकनीक और अनुकूलन क्षमता पर सवाल उठे।

गैरी सोबर्स के निधन पर शोक की लहर, दिग्गजों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स के 89 वर्ष की आयु में निधन से विश्व क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। बारबाडोस में शुक्रवार को उनके निधन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पदाधिकारियों, पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों सहित दुनिया भर के क्रिकेटरों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। क्रिकेट इतिहास के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में गिने जाने वाले सोबर्स के योगदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें खेल का महानतम दूत बताया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अपने संदेश में कहा कि क्रिकेट ने अपने सबसे महान खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है।

परिषद ने सोबर्स के परिवार, मित्रों और वेस्टइंडीज क्रिकेट के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें आईसीसी हॉल ऑफ फेम के गौरवशाली सदस्य के रूप में याद किया। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुल्कर ने गैरी सोबर्स को महान क्रिकेटर बताते हुए कहा कि उनका जाना बहुत बड़ी क्षति हैं उनके योगदान को सदा याद किया जाएगा। वहीं पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इसे क्रिकेट जगत की अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने उन्हें अपने जीवन का सबसे महान क्रिकेटर बताते हुए कहा कि उनके जैसा योगदान और प्रभाव शायद ही किसी अन्य खिलाड़ी का रहा हो। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि भले ही उन्हें सोबर्स को खेलते देखने का अवसर नहीं मिला, लेकिन उनके खेल और उपलब्धियों की कहानियां हमेशा प्रेरणादायी रही हैं।

बिजनेस

सीतारमण ने एक लाख से अधिक लाभार्थियों को 3,216 करोड़ के ऋण वितरित किए

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के नरसरावपेट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के ऋण पहुंच कार्यक्रम के दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत एक लाख से अधिक लाभार्थियों को 3,216 करोड़ रुपये के कर्ज वितरित किए। इस मौके पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी मौजद रहे। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि नरसरावपेट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा आयोजित एक विशाल ऋण संपर्क कार्यक्रम में वित्त मंत्री सीतारमण ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और किसानों को लगभग 3,216 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए।

सीतारमण और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने नरसरावपेट में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ओर से आयोजित ऋण संपर्क कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सीतारमण और नायडू ने यूनियन बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई तथा छात्राओं को साइकिल वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायडू ने बताया कि कृषि क्षेत्र के लिए 2,363 करोड़ रुपये, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए 325 करोड़ रुपये और आवास, शिक्षा, वाहन तथा सौर ऊर्जा के लिए 624 करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा एक अलग कार्यक्रम में नायडू और सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पहल के तहत उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई तथा छात्राओं को साइकिल वितरित की।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 2026-27 की पहली तिमाही में 1,324 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी, नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक का (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 13 फीसदी बढ़कर 1,324 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 1,169 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 जून, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 10,678 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 10,360 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय बढ़कर 9,691 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 8,589 करोड़ रुपये थी। बैंक का परिचालन लाभ पहली तिमाही में घटकर 2,186 करोड़ रुपये रह गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 2,304 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। पहली तिमाही के अंत में सकल अग्रिमों के मुकाबले सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर 2.60 फीसदी रह गईं जो पिछले वित्त वर्ष में 3.13 फीसदी रहीं थीं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 675 अरब डॉलर के पार पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा एफसीए 930 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 546.51 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार 24 मिलियन डॉलर बढ़कर 105.223 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 30 लाख यूएस डॉलर की वृद्धि के साथ 18.626 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.793 अरब डॉलर हो गई है।

केंद्र ने लौह अयस्क को प्रमुख बुनियादी उद्योग सूचकांक में जोड़ा, अब इसमें नौ उद्योग

एजेंसी, नई दिल्ली

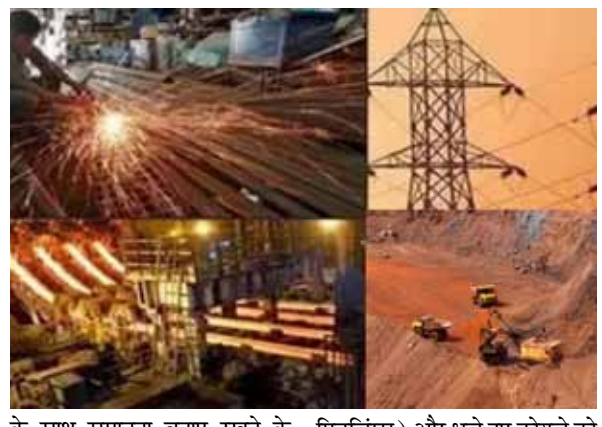

केंद्र सरकार ने लौह अयस्क को प्रमुख बुनियादी उद्योगों की सूची में शामिल किया है। सरकार के इस कदम से अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का और बेहतर आकलन करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रमुख बुनियादी उद्योगों की संख्या आठ से बढ़कर अब 9 हो गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, 'औद्योगिक उत्पादन में लौह अयस्क के व्यापक उपयोग और औद्योगिक विकास में इसके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए संशोधित बुनियादी उद्योग सूचकांक (आईसीआई) श्रृंखला में लौह अयस्क को शामिल किया गया है।'मंत्रालय ने बताया कि नौ प्रमुख क्षेत्रों के आंकड़ों वाली नई श्रृंखला, जिसका आधार वर्ष 2022-23 होगा, जो 20 जुलाई को जारी की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि संशोधित श्रृंखला मौजूदा बुनियादी उद्योग सूचकांक (आईसीआई) श्रृंखला की जगह लेगी, जिसका आधार वर्ष 2011-12 है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के साथ समानता बनाए रखने के लिए संशोधित आईसीआई श्रृंखला में इस्पात सूचकांक तैयार करने के लिए सकल उत्पादन आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाएगा।

इससे पहले आईसीआई (2011-12) श्रृंखला में शुद्ध उत्पादन आंकड़ों का उपयोग किया जाता था। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, कोयला क्षेत्र में भी संशोधित श्रृंखला में केवल कच्चे कोयले को ही रखा गया है। इसे दोहरी गणना से बचने के लिए मध्यम श्रेणी के कोयले (कोल मिडलिंग्स) और धुले हुए कोयले को इस सूची से बाहर कर दिया गया है, क्योंकि अब ये दोनों कच्चे कोयले से ही प्राप्त होते हैं। इससे पहले सरकार ने वर्ष 2011 में प्राकृतिक गैस और उर्वरक को दो नए क्षेत्रों के रूप में प्रमुख बुनियादी उद्योगों में शामिल किया था। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सरकार आठ प्रमुख क्षेत्रों कच्चा तेल, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट, बिजली, प्राकृतिक गैस, उर्वरक, तैयार इस्पात और कोयला के प्रदर्शन का मासिक आधार पर आकलन करती है।

रिजर्व बैंक ने नियमों का पालन न करने पर मुथूट फाइनेंस सहित छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नियमों का पालन न करने के लिए छह कंपनियों पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने इन कंपनियों पर विभिन्न नियामकीय कमियों और उल्लंघनों की वजह से 2.70 लाख से लेकर 6.20 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया है। इनमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मुथूट फाइनेंस भी शामिल है।

आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सेंट्रल बैंक ने मुथूट फाइनेंस पर 5.80 लाख रुपये, सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड और पैन एमामी कॉस्मेड पर 3.10-3.10 लाख रुपये, धनी लोन्स एंड सर्विसेज और मुथूट व्हीकल एंड एसेट फाइनेंस पर 2.70-2.70 लाख रुपये और अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज पर 6.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि मुथूट फाइनेंस पर जुर्माना इसलिए लगाया है, क्योंकि वह खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था को लागू करने में विफल रही है। इसके अलावा संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी पहचान तथा सूचना के लिए मजबूत सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल नहीं किया। इसी प्रकार अलग अलग कारणों से अवेल फाइनेंशियल सर्विसेज, पैन एमामी कॉस्मेड और सत्य माइक्रोकैपिटल तथा अन्य पर भी जुर्माना लगाया गया है।

पंजाब नेशनल बैंक का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 5,253 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक का पहली तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ तीन गुना से ज्यादा होकर 5,253 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में बैंक का शुद्ध लाभ 1,675 करोड़ रुपये रहा था। पीएनबी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि 30 जून, 2026 को समाप्त पहली तिमाही में उसकी कुल आय 37,231 करोड़ रुपये पर स्थिर रही। हालांकि, बैंक की ब्याज आय थोड़ी बढ़कर 32,897 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 31,964 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 7,519 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में ये 7,081 करोड़ रुपये था। पंजाब नेशनल बैंक के अनुसार बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। अप्रैल-जून तिमाही में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर कुल कर्ज का 2.78 फीसदी रही, जो एक साल पहले 3.78 फीसदी थी। इसी तरह शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज घटकर 0.26 फीसदी रह गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में ये 0.38 फीसदी था। बैंक के अनुसार कुल रकम के रूप में सकल एनपीए घटकर 35,381 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 42,673 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, शुद्ध (एनपीए) घटकर 3,433 करोड़ रुपये रहा., जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 4,132 करोड़ रुपये था।

वास्तविक ताकत कभी दिखावे में नहीं होती : अभिनेत्री हुमा कुरैशी

वास्तविक ताकत कभी दिखावे में नहीं होती, बल्कि धैर्य, प्रेम, संवेदनशीलता और बिना किसी अपेक्षा के दूसरों का साथ देने में होती है। ताजा पोस्ट में बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपनी मां के द्वारा दिया गया यह भावुक संदेश शेयर किया है। उन्होंने बताया कि उनकी मां ने उन्हें जीवन का यह सबसे महत्वपूर्ण सबक सिखाया है। अभिनेत्री ने कहा कि यही सीख आज भी उनके जीवन का आधार है और हर निर्णय में उनका मार्गदर्शन करती है। हुमा कुरैशी हाल ही में एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ीं और अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाया। इस अवसर की तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि यह केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि अपनी मां के प्रति आभार व्यक्त करने का एक भावनात्मक माध्यम है। उन्होंने कहा कि मां के नाम लगाया गया यह पौधा समय के साथ बढ़ेगा और उनके प्रति प्रेम तथा सम्मान का प्रतीक बना रहेगा। अपने संदेश में उन्होंने लिखा कि उनके जीवन की सबसे मजबूत महिला उनकी मां हैं, जिन्होंने उन्हें सिखाया कि सच्ची शक्ति शांत स्वभाव, धैर्य और निस्वार्थ भाव से दूसरों के लिए समर्पित रहने में होती है। यही कारण है कि यह अभियान उनके दिल के बेहद करीब है। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि कभी-कभी धन्यवाद जैसे शब्द भी मां के प्रति अपनी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होते। ऐसे में मां के नाम एक पौधा लगाना ऐसा उपहार है, जो हर मौसम के साथ बढ़ता है और प्रकृति के माध्यम से प्रेम तथा कृतज्ञता का संदेश देता रहता है। उनके अनुसार, यह पहल केवल पर्यावरण संरक्षण का अभियान नहीं, बल्कि भावनात्मक रिश्तों को प्रकृति से जोड़ने का भी माध्यम है। हुमा कुरैशी ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि इस मानसून के दौरान उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ स्वच्छ नदियों का संरक्षण, सौर ऊर्जा को बढ़ावा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहन और किसानों को हरित पहल से जोड़ना भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। अभिनेत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी मां के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल उसी समर्पण के साथ करें, जिस तरह एक मां अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है। उनका मानना है कि प्रकृति और मातृत्व, दोनों जीवन देने और उसे संवारने का कार्य करते हैं, इसलिए दोनों का सम्मान करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण और लोगों को प्रकृति से जोड़ने के उद्देश्य से की थी। इस पहल के माध्यम से लोगों को अपनी मां के सम्मान में पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

सनी देओल की बटवारा 1947 बॉक्स ऑफिस पर मचाएगी धमाल, निर्माताओं ने बनाई ये योजना

सनी देओल की फिल्म बटवारा 1947 का इंतजार हर कोई कर रहा है। अगले महीने यह फिल्म सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार है, लेकिन उससे पहले निर्माताओं ने तगड़ी योजना बनाई है। आमिर खान के प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म के प्रमोशन के लिए टीम देश के 12 बड़े शहरों में जाएगी। इसे फिल्म की सबसे बड़ी राष्ट्रव्यापी प्रचार पहल के रूप में बताया जा रहा है। इसका मकसद फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्सुकता जगाना है। खबरों के अनुसार, निर्माता दर्शकों के सामने कलाकारों और रचनात्मक टीम को लाने की योजना बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि दौरे के दौरान, फिल्म के कलाकार और टीम कई स्थानों का दौरा करते हुए फैंस से बातचीत करेंगे और फिल्म से जुड़े प्रचार कार्यक्रमों में भाग लेंगे। निर्माताओं का मानना है कि इस व्यापक दौरे से दर्शक फिल्म की उस कहानी से और गहराई से जुड़ सकेंगे जिसे वे हर भारतीय के लिए जानना जरूरी मानते हैं। बटवारा 1947 का टीजर और पोस्टर पहले ही जारी हो चुके हैं और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल कर चुके हैं। फिल्म में सनी के अलावा, प्रीति जिंटा मुख्य किरदार में नजर आएंगी। भैयाजी सुपरहिट (2018) के बाद, ये बॉलीवुड में उनकी वापसी का प्रतीक है। इसके अलावा, शबाना आजमी, अली फजल, करण देओल और अभिमन्यु सिंह भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी ये फिल्म 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

13 साल का सपना हुआ सच, जब माधुरी दीक्षित से मिलीं वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी बचपन से जिस अभिनेत्री को वह अपना आइकॉन मानती थीं, आखिरकार उनसे मिलने का उनका सपना सच हो गया। दरअसल, वामिका ने बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा माधुरी दीक्षित से मुलाकात की, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ वामिका गब्बी ने बताया कि वह 13 साल की उम्र से माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं और उनसे मिलने का सपना लंबे समय से संजोए हुए थीं। सालों बाद जब यह सपना पूरा हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वीडियो की शुरुआत में वामिका, माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने धक-धक के आइकॉनिक स्टेप को करती नजर आती हैं तभी माधुरी दीक्षित पीछे से आती हैं और प्यार से उन्हें गले लगा लेती हैं। अचानक अपने सामने बचपन की आइकॉन को देखकर वामिका इमोशनल हो जाती हैं और तुरंत उन्हें कसकर गले लगा लेती हैं। वीडियो में वामिका ब्लू कलर के एथनिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि माधुरी दीक्षित गुलाबी साड़ी में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक दिखीं। वीडियो में माधुरी, वामिका से उनका हालचाल पूछती भी दिखती हैं। वीडियो शेयर करते हुए वामिका ने लिखा, मेरे सबसे करीबी दोस्त जानते हैं कि 13 साल की उम्र वाली वामिका के लिए यह पल कितना जादुई था। आखिरकार मेरी मुलाकात द माधुरी दीक्षित से हुई। मैंने उन्हें मम्मी-पापा से भी मिलवाया और बचपन के कई किस्से सुनाए, ताकि उन्हें पता चल सके कि वे मेरे बचपन का कितना खूबसूरत हिस्सा रही हैं। अगर वामिका गब्बी के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में इम्तियाज अली की सुपरहिट फिल्म जब वी मेट से उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत की। फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन यहीं से उनके अभिनय करियर की नींव रखी गई। इसके बाद वह लव आज कल, मौसम और बिट्टू बॉस जैसी फिल्मों में नजर आईं और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाती चली गईं। बॉलीवुड के अलावा वामिका ने पंजाबी और मलयालम सिनेमा में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। पंजाबी फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 और मलयालम फिल्म गोधा में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली। हाल ही में वह फिल्म पति पत्नी और वो दो में नजर आई थीं।

जिम वर्कआउट रूटीन से हटकर पिलाटेस सेशन को चुना नरगिस ने

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस फाखरी अपनी नियमित जिम वर्कआउट रूटीन से हटकर पिलाटेस सेशन को चुना है। नरगिस ने यह बदलाव अपने प्रशंसकों के साथ सोशल मीडिया के जरिए साझा किया। नरगिस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पिलाटेस स्टूडियो से एक मिरर सेल्फी शेयर की, जिसमें वह अपनी पिलाटेस क्लास शुरू होने से पहले आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर नजर आ रही थीं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अब इस दमदार पिलाटेस क्लास को आजमाने जा रही हूं। यह दर्शाता है कि वह अपनी शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए नए तरीकों को अपनाने में हमेशा आगे रहती हैं। अभिनेत्री के इस कदम ने उनके प्रशंसकों और फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि पिलाटेस आजकल कई मशहूर हस्तियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह न केवल शरीर को लचीलापन और मजबूती प्रदान करता है, बल्कि मानसिक शांति और एकाग्रता में भी मदद करता है। नरगिस फाखरी अपनी पहली फिल्म रॉकस्टार से ही अपनी आकर्षक छवि और सक्रिय जीवनशैली के लिए जानी जाती रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो नरगिस फाखरी हाल ही में रिलीज हुई कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आई थीं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी इस मल्टी-स्टारर फिल्म में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडिस, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चंकी पांडे, निकितिन धीर और जॉनी लीवर सहित कई नामचीन कलाकार दिखाई दिए। यह फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री कॉमेडी है, जिसमें एक अरबपति की मौत के बाद उसकी संपत्ति पर दावा करने वाले कई लोगों की कहानी को एक लग्जरी क्रूज के बीच हास्य और रोमांच के साथ पेश किया गया है, जिसमें नरगिस ने अपने किरदार के जरिए दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके अलावा, नरगिस मस्ती 4 में भी नजर आई हैं।

तमन्ना भाटिया ने रागिनी 3 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट

तमन्ना भाटिया अपने फैंस और दर्शकों को डराने की तैयारी शुरू कर चुकी हैं। जी हां, उनकी आगामी फिल्म रागिनी 3 लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचती आ रही है, जिस पर उन्होंने एक बड़ा अपडेट साझा करके लोगों को उत्साहित कर दिया है। अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर बताया है कि उन्होंने लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शशांका घोष द्वारा निर्देशित यह परियोजना बालाजी मोशन पिक्चर्स की हॉरर फ्रैंचाइजी की वापसी का प्रतीक है। तमन्ना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह क्लैपरबोर्ड पकड़े दिखी हैं। उस पर रागिनी 3 लिखा है और शूटिंग के पहले दिन के शेड्यूल की जानकारी दी गई है। इससे साफ है कि अभिनेत्री ने 15 जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डेट नाइट हॉरर के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है। तमन्ना के अलावा, अन्य कलाकारों के नाम गुप्त रखे गए हैं। लंदन में फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल होगा। फिर आने वाले महीनों में अतिरिक्त शूटिंग की योजना बनाई गई है। कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह अलौकिक हॉरर, सस्पेंस और व्यावसायिक कहानी कहने के उसी मिश्रण को बरकरार रखेगी, जिसने रागिनी फ्रैंचाइजी को एक सफल थिएटर ब्रांड के रूप में स्थापित किया था। रागिनी 3 के अलावा, तमन्ना को सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन में देखा जाएगा। ये 25 सितंबर को रिलीज होगी।

फिल्म टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में नजर आयेंगे यश और कियारा

अभिनेता यश और कियारा आडवाणी की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्मक का पहला गाना तबाही खामोशी से शुरू होता है, और शायद यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। विशाल मिश्रा की आवाज़ और धुन इस इमोशनल खामोशी को और गहरा बना देती है, जहां हर नज़र, हर ठहराव अपने आप में एक अनकही कहानी बन जाता है। इस गाने में यश और कियारा की केमिस्ट्री दर्शकों के दिलों को छू रही है, जहाँ उनके बीच का अजीब सा खिंचाव और अनकहा प्यार पर्दे पर जीवंत हो उठता है। पूरे म्यूज़िक वीडियो में यश और कियारा के बीच एक गहरा और रहस्यमय खिंचाव महसूस होता है। उनकी हर नज़र में तड़प है, और हर खामोशी किसी लंबी बातचीत से भी ज़्यादा भारी लगती है। यहां बड़े-बड़े इज़हार नहीं हैं, बल्कि दिल को चुपचाप दबाकर रखने की एक मार्मिक कोशिश है, और यही इसे और ज़्यादा असरदार बना देता है। यह गाना उन भावनाओं को दर्शाता है जिन्हें व्यक्त करना मुश्किल होता है, लेकिन जो आंखों और इशारों में साफ झलकती हैं। तबाही कोई सामान्य रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह एक गहरी, उलझी हुई और अंतर्निहित प्रेम कहानी का परिचय देता है, जहाँ किरदार अपने जज़्बातों से जूझते नजर आते हैं। वीडियो का एक बेहद खास पल तब आता है, जब तारा सुतारिया का किरदार रेबेका, राया (यश) से पूछता है, "क्या तुम खुद के अलावा किसी और से प्यार नहीं कर सकते?" और राया बिना रुके जवाब देता है, "बिलकुल नहीं।" ऊपर से ये जवाब बहुत पक्का लगता है, जैसे उसे यकीन हो कि उसके दिल में किसी के लिए जगह ही नहीं है। लेकिन अगले ही पल ये यकीन खुद ब खुद टूटने लगता है। कैमरा जैसे ही राया को कियारा की तरफ देखते हुए दिखाता है, शब्द बेकार हो जाते हैं। उसकी आंखें वह सब कुछ बयां कर देती हैं, जो वो खुद से भी छुपा रहा है। वो तड़प, वो झिझक, वो छुपी हुई नर्मी – ये सब मिलकर एक ऐसे इंसान की कहानी बताते हैं, जो अपने ही जज़्बातों से भाग रहा है, लेकिन उनसे बच नहीं पा रहा। यही अंदरूनी टकराव तबाही को इतना यादगार बनाता है। यह प्यार की वो कहानी नहीं है, जो खुलेआम कबूल की जाती है; ये वो प्यार है जिसे नकारा जाता है, दबाया जाता है, लेकिन फिर भी जो हर हाल में रास्ता निकाल ही लेता है। और शायद यही तबाही को बाकी सब से अलग बनाता है। यहां प्यार कोई नरम एहसास नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत है जो हर फैसले, हर ठहराव और हर नज़र के पीछे चुपचाप अपना असर छोड़ जाती है।

पूल नूडल्स से की जा सकती है कसरत

पूल नूडल्स एक प्रकार का एक्सरसाइज उपकरण है, जिसका इस्तेमाल पानी में किया जाता है। यह उपकरण न केवल मजेदार है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके शरीर को मजबूत और फिट बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि पूल नूडल्स का उपयोग करके कौन-कौन सी एक्सरसाइज की जा सकती हैं और इनके क्या-क्या फायदे हैं। पूल नूडल्स का उपयोग करके आप दिल और सांस की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाती हैं। पानी में की जाने वाली यह एक्सरसाइज शरीर के पूरे हिस्से पर असर डालती है और आपको तेजी से फिट बनाती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके शरीर की सहनशक्ति को भी बढ़ाती है, जिससे आप लंबे समय तक बिना थके एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपका शरीर तंदुरुस्त और सक्रिय रहता है। पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की ताकत बढ़ाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं। इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी बाजू, पीठ और कंधे मजबूत होते हैं। इसके अलावा आप नूडल्स को ऊपर-नीचे करके भी अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की ताकत भी बढ़ती है। पूल नूडल्स की मदद से आप अपने शरीर को लचीला बना सकते हैं। इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी पीठ, पैर और कंधे की लचीलापन बढ़ती है। इसके अलावा आप नूडल्स को दोनों हाथों से पकड़कर घुमाने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी हाथों की लचीलापन बढ़ती है। इससे आपकी शरीर की सभी प्रमुख मांसपेशियां मजबूत होती हैं और लचीला रहता है। पूल नूडल्स की मदद से आप तनाव मुक्त हो सकते हैं। इसके लिए आप पानी में तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर पीछे की ओर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मन शांत होता है। इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपके मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। पूल नूडल्स की मदद से आप वजन घटा सकते हैं। इसके लिए आप तेज गति से तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर आगे-पीछे झुलाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को फिट रख सकते हैं।

Long-term exposure to air pollution could lead to dementia, warns WHO

NEW DELHI, AGENCY: WHO has issued new global guidelines saying up to 45% of dementia cases could be prevented or delayed by tackling risk factors such as high blood pressure, diabetes, smoking, physical inactivity and, for the first time, air pollution, while advising against the routine use of vitamin and omega-3 supplements for dementia prevention in people without a diagnosed deficiency.

The updated recommendations, the first major revision since 2019, reflect growing scientific evidence that lifestyle choices, management of chronic diseases and environmental exposures can significantly influence brain health. The inclusion of air pollu-

tion marks a key addition to WHO's dementia prevention guidance, reflecting mounting evidence linking long-term exposure to polluted air with cognitive decline. Dem entia is a progressive brain disorder that imp airs memory, thinking and the ability to perform everyday activities. Alzh eimer's disease accounts for an estimated 60-70% of all dementia cases. Although there is no cure, WHO says a substantial proportion of the risk can be reduced through healthier lifestyles and better management of chronic diseases.

The recommendations are particularly relevant for India, where the burden of dementia is expected to rise as the population ages. A nationally representative study published in the peer-reviewed journal Alzheimer's & Dementia estimated that about 8.8 older adults.

Srinagar court grants NOC for passport to Farooq, sets conditions

SRINAGAR, AGENCY: A Srinagar court Thursday issued a no-objection certificate (NOC) for issuing a passport to former J&K chief minister Farooq Abdullah, observing that mere pendency of criminal proceedings does not automatically bar a person from obtaining the travel document. CBI had objected to Farooq's application seeking the court's NOC for passport, stating that charges have been framed against him in the Jammu Kashmir Cricket Association case and "there is a strong apprehension that he may settle abroad and flee the clutches of law". The court of additional sessions judge, however, ordered that the NOC be issued to the Srinagar passport officer with the direction to consider the issuance of the passport for a period of one year, subject to the condition that the petitioner is not involved in any offence other than the JKCA case. The court further said Farooq shall seek prior permission from the Srinagar chief judicial magistrate's court for travelling outside J&K or abroad. Farooq had stated in his application that the regional passport office asked him to furnish an acquittal order in the JKCA case or an NOC from the court following an adverse police report against him. The NC president argued that since the trial in the case was stayed on April 25, he is not in a position to secure acquittal order and should be granted an NOC.

NEET-UG results declared: 2 score 715/720, 19 cross 700

NEW DELHI, AGENCY: NEET-UG 2026 saw a sharp rise in top scores after the paper-leak controversy and nationwide retest, with Punjab's Aryan Gupta topping the exam with a 715 score. Haryana's Panshul Bansal who also scored 715 out of 720 is the second topper based on a tie-breaker rule. Their score was 29 marks higher than the 686 secured by the 2025 topper, when an unusually tough paper ensured that not a single candidate crossed 700.

The results also threw up a strong first-attempt and gender story. More than 93% of the 138 candidates scoring above 690 were appearing for NEET for the first time, while 99% were aged 17 to 19. Women accounted for over 58% of the 11.2 lakh candidates who qualified and recorded a higher success rate - 57% of women who appeared cleared the test, compared with 55% of men.

The National Testing Agency declared the results Thursday night after close to 20 lakh candidates took the June 21 re-examination at 5,440 centres in 551 Indian cities and 14 cities abroad. The original examination, held on May 3, was cancelled on May 12 following allegations that the question paper had been compromised. The CBI is investigating the leak.

The rise in top scores was striking. Nineteen candidates scored above 700. A total of 1,492 candidates secured 650 or more, 10,160 crossed 600 and 90,780 scored at least 500. The 138 candidates scoring above 690 came from 66 cities.

The number of qualifiers declined from 12.36 lakh in 2025 to 11.2 lakh this year, but the number appearing also fell from 22 lakh to close to 20 lakh. The overall qualification rate, therefore, remained broadly stable at around 56%, despite the cancellation and re-test. Uttar Pradesh again produced the largest pool of successful candidates, with more than 1.7 lakh qualifying, while Lakshadweep had 43. The top 17 candidates this year, all scoring above 705, came from eight states - Punjab, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh, Maharashtra, Bihar, Tamil Nadu and Telangana. Seventeen state toppers scored 700 or more and 26 crossed 690. State and UT toppers included Ladakh's Jigmet Yangchan Lamo with 530, Andaman and Nicobar Islands' Dhruv Tripathi with 606 and Lakshadweep's Fahmida Anees with 573. Every northeastern state was also represented in the state-topper list.

Call all-party meet to discuss delimitation bill: Kharge to PM Modi

NEW DELHI,AGENCY: Amid reports that govt is looking to reintroduce delimitation bill in the Monsoon session, Congress chief Mallikarjun Kharge Thursday wrote to PM Narendra Modi, urging him to call an all-party meeting to discuss the revised Constitution (131st Amendment) Bill.

Kharge wrote that he had repeatedly asked the parliamentary affairs minister for an all-party meeting during the Budget session, but his demand was not heeded, after which the delimitation bill fell in Lok Sabha on April 17 - a reference to the defeat of the govt bill which the opposition termed as being in name for women's reservation but having the real objective of delimiting Lok Sabha seats on the basis of pop-

ulation to advantage BJP and hurt the southern states.

Kharge wrote to Modi that he has been reading media reports about govt move to reintroduce the bill with some changes, urging the PM that he should share the details with the opposition and give it adequate time to study the proposal before it is introduced in Parliament.

Skyroot Aerospace to launch India's first private orbital rocket on Saturday

NEW DELHI, AGENCY: India's private space sector will soon take wings as spacetech startup Skyroot Aerospace is just days ahead from becoming the country's first private player to launch an orbital-class rocket, fully designed and developed by it, from Indian soil.

After sending India's first private single-stage suborbital rocket Vikram-S at a peak altitude of 89.5 km in 2022, the Hyderabad-based company is all geared up to launch the country's first orbital launch vehicle, Vikram-1, on Saturday.

Govt plans bill to punish those who insult, block Vande Mataram singing

NEW DELHI, AGENCY: A bill providing for punishment for any insult or obstruction to singing of Vande Mataram will be introduced in Lok Sabha in Parliament's session starting July 20. The Prevention of Insults to National Honour (Amendment) Bill, cleared by the Union Cabinet earlier, comes after guidelines issued by the home ministry made playing or singing the national song mandatory at official events where national anthem 'Jana Gana Mana' is played.

Bills listed for introduction in LS include one making the delayed registration of birth and death stringent.

Once the prevention of insults to national honour

bill is cleared by both LS and RS, the law will make insulting the national song a punishable offence, bringing it among the other high symbols of the republic, like the national anthem; the national flag; and the Constitution, whose insult attracts criminal action.

BJP has maintained that past 'secular' govts did not accord Vande Mataram, interwoven with the freedom movement, its due place as they relented to objections from a section of Muslims due to the song's Hindu imagery. There have recently been instances where Vande was allegedly not given due respect by state govt belonging to opposition parties or groups representing minority communities.

No leak of Kudankulam nuclear reactor data, clarifies minister

NEW DELHI, AGENCY: A day after a report of alleged breach of sensitive data of the Kudankulam nuclear power plant (KNPP), space, atomic energy, science and technology minister Jitendra Singh asserted on Thursday that there was no breach of sensitive data from the largest nuclear power plant of the country.

Rubbishing reports of breach of sensitive data related to units 3 and 4 of the Tamil Nadu nuclear plant, Union minister Jitendra Singh told Media, "There is no breach of nuclear reactor data." He also made it clear that there is no need for a review if nothing has happened.

A day earlier, Nuclear Power Corporation of India Ltd, which is leading the construction and operation of reactors at Kudankulam, had said that its core systems were untouched by a "cyber security incident", after ransomware group World Leaks posted a huge cache of files related to the N-plant on the dark web and claimed data breach.

Reliance Infrastructure was involved in designing and

building infrastructure for the plant's unit 3 and unit 4 in 2018. NPCIL said the engineering, procurement and construction contract for the common services awarded to R-Infra are of conventional nature and are typically found in thermal power plants as well as other process industries.

A day before, a Reliance Group spokesperson said, "The company was informed by Yotta Data Services Private Limited (Yotta), its third-party data centre service provider, of a cybersecurity incident involving an attempted ransomware attack that resulted in partial breach of data hosted on one of Yotta's servers. Yotta has informed the company that the suspicious process was identified and terminated immediately, and the incident was contained and also that no ransomware execution, data loss, or lateral movement occurred, and services were restored."

On Wednesday, NPCIL executive director (CP&CC) Prateek Agrawal told Media, "They (files leaked) are not related to nuclear safety or nuclear security systems. Like thermal power plants, tenders are issued for common services. Such common services are not associated with the core systems of the nuclear plant."

Just 1.6% of Isro scientists-engineers taken VRS or resigned during 2025-26: Dept of Space sources

On reports of an internal memo on tightening rules for voluntary retirement (VRS) for Isro employees amid a mass exodus claim, sources in the Department of Space clarified that "the number of scientists and engineers taken VRS or resigned during 2025-26 is 144, which is about 1.6% of sanctioned levels of scientist and engineers for the department of space". "The trend is similar to the attrition levels noticed in previous years," the sources said, clarifying that there is nothing alarming about it.

Acquitted 45 years on, after serving life term; murder in 1977, conviction 1981, clean chit 2026

NEW DELHI, AGENCY: Justice can serve little purpose if not delivered timely - a truth underscored by a 1977 murder case. Though Supreme Court acquitted a person in the case - drawing curtains on a long drawn-out battle and marking a moment of triumph for the citizen who had all along denied committing the crime he was accused of and convicted for - the redemption came after he had served sentence of life imprisonment - remitted by UP govt. Hearing a challenge to Allahabad high court's verdict in the 49-year-old murder case in Uttar Pradesh, a bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta acquitted the three surviving accused in the case - two died during pendency of the matter - who had been sentenced to life imprisonment by a trial court and HC.

Out of the surviving accused, SC granted bail to two in 2013, but the bail plea of Hiral Lal was rejected, and he had to serve his sentence. He came out of jail only after UP govt remitted his sentence.